आषाढ़ शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 337 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 07-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जब जनता का विरोध सामने आता है तो भाजपा पीछे हट जाती है : खरगे

6 कृत्रिम बुद्धिमत्ता : नवाचार की उड़ान या बौद्धिक चोरी का यंत्र?

7 एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण : शुभांगी अत्रे

फर्स्ट टेक

रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले, हवाई यात्रा बाधित

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन ने रविवार को एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिससे रूसी हवाई यातायात में व्यवधान उत्पन्न हो गया। यह हमला तीन साल से अधिक पुराने युद्ध में मॉस्को द्वारा सबसे बड़ा हवाई हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ है। रूस के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग सहित अन्य रूसी हवाई अड्डों पर भीड़ देखी जा सकती है, क्योंकि शनिवार और रात को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण सैकड़ों उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं। मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के मुख्य पुलकोवो हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित रहीं। पश्चिमी और मध्य रूस के अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें बाधित रहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात के हमलों के दौरान 120 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया, और रविवार को दोपहर दो बजे से पहले 39 और ड्रोन को मार गिराया।

एलन मस्क ने की अमेरिका में नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मतभेद के बाद अमेरिका के लोगों को उनकी आजादी वापस दिलाने के लिए एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घोषणा की कि उन्होंने देश में दो-पक्षीय प्रणाली को चुनौती देने के लिए 'अमेरिका पार्टी' का गठन किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए आज 'अमेरिका पार्टी' का गठन किया गया है।'' टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, ''जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है तो हम लोकतंत्र में नहीं, एक पार्टी प्रणाली होते में हैं।''

विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने जोकोविच

लंदन/एपी। नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं।

07-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 08-07-2025 सूर्योदय 5:48 बजे

BSE	NSE
83,432.89 (+193.42)	25,461.00 (+55.70)

सोना	चांदी
10,014 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	119,575 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युद्ध या खेल

भारत का मतलब युद्ध,
युद्ध को सदा समझते खेल।
खेल में भाव युद्ध के धार,
धार के संग परखते तेल।
तेल दुश्मन का सदा निकाल,
काल बन चढ़ते ऊँचे शैल।
शैल का शिखर हमारा लक्ष्य,
लक्ष्य की कसते रहे नकेल।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा

आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पहलगाम में हुआ ''कायरतापूर्ण'' आतंकवादी हमला भारत की ''आत्मा, पहचान और गरिमा'' पर सीधा हमला है।

रियो डी जेनेरियो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रविवार को कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

मोदी ने शांति एवं सुरक्षा पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पहलगाम में हुआ ''कायरतापूर्ण'' आतंकवादी हमला भारत की ''आत्मा, पहचान और गरिमा'' पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, ''यह हमला न केवल भारत पर, बल्कि पूरी मानवता पर आघात था।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''आतंकवाद की निंदा करना हमारा 'सिद्धांत' होना चाहिए, न कि केवल सहूलियत।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम पहले यह देखें कि हमला किस देश में हुआ, किसके खिलाफ हुआ तो यह मानवता के साथ विश्वासघात करना होगा।''

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुट प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता है।'' मोदी ने कहा कि आतंकवाद के संबंध में कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यदि हम ऐसा नहीं कर सकते तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को लेकर गंभीर हैं भी या नहीं?''

'ग्लोबल साउथ' अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार हुआ है

रियो डी जेनेरियो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ग्लोबल साउथ' अक्सर ''दोहरे मानदंडों'' का शिकार हुआ है और विश्व अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान देने वाले राष्ट्रों को निर्णय लेने वाले मंच पर जगह नहीं मिल पाती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद(यूएनएससी) सहित प्रमुख वैश्विक संस्थाओं में तत्काल सुधार पर भी जोर दिया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि 20वीं सदी में गठित वैश्विक संस्थाओं में विश्व की आबादी के दो-तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के बिना ये संस्थाएं ऐसे मोबाइल फोन की तरह लगती हैं, जिनके अंदर 'सिम कार्ड' तो लगा हुआ है लेकिन नेटवर्क नहीं है।

सहकारिता क्षेत्र की 'कार्य संस्कृति' का अभिन्न अंग बनाएं प्रौद्योगिकी को : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आणंद (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से अपील की कि वे सफलता प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी का उपयोग और सहकारी संगठनों के सदस्यों के हितों को अपनी कार्य संस्कृति में सर्वोच्च स्थान दें।

सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर शाह ने यहां अमूल डेयरी के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और सदस्यों (सहकारी क्षेत्र के किसानों और समितियों) को साथ रखना महत्वपूर्ण है।

शाह ने कहा कि प्रौद्योगिकी के बिना सहकारी समितियां समृद्ध नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा, हमारे कार्यक्षेत्र में लोगों के हितों को केंद्र में रखना भी महत्वपूर्ण है।

शाह ने सहकारी समितियों से इन तीन सिद्धांतों को अपनी कार्य संस्कृति में शामिल करते हुए जम्मू-कश्मीर से लेकर 'कामाख्या' (असम में एक मंदिर) और देश के हर गांव में इनका प्रचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुजरात में नमक सहकारी समिति की शुरुआत सहित कार्यक्रम के दौरान शुरू की गई दस पहलों से अमूल की तरह एक मजबूत ब्रांड का निर्माण होगा।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में दो लाख प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसी) का पंजीकरण, त्रिभुवन, पहले राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव रखी गई है और डेयरी क्षेत्र में तीन नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों का निर्माण किया गया है।

नेहरू के तुष्टिकरण के खिलाफ मुखर्जी ने दिया था इस्तीफा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी समझ गये थे कि आजादी मिलने का साथ ही देश को कमजोर करने वाली साजिशें सक्रिय हो गयी हैं इसीलिए उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

नड्डा ने आज आभासी माध्यम से दिल्ली और हरियाणा के नवनिर्मित क्रमशः तीन-तीन भाजपा जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा, आज छह स्थानों पर हम कार्यालयों का गणेश कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हमें यह भी ध्यान रखना है कि आज डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती है। इसलिए आज के दिन उनको याद करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है और इससे हमारा भावनात्मक रिश्ता भी है। उन्होंने कहा कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी डॉ मुखर्जी 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बन गए थे और 36 वर्ष की आयु में विधानसभा में पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी की खासियत थी कि वह कभी भी पद से चिपके नहीं, बल्कि जीवन का बलिदान करने विचारों से अपनाया। उन्होंने कहा, डॉ.मुखर्जी हमेशा विचारधारा पर अड़े रहे और उसी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

भारत की एजबेस्टन में ऐतिहासिक जीत, इंग्लैंड को 336 से हराकर श्रृंखला बराबर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। बिहार के सासाराम के आकाश दीप (187 रन देकर 10 विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारत ने रविवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन इंग्लैंड को 336 रन से हराकर एजबेस्टन में 58 साल पुराने मिथक को तोड़ते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की।

भारत ने इस तरह पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट पांच विकेट से जीता था।

स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में 28 वर्षीय आकाशदीप ने बड़े मंच पर प्रभावित करते हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी में 99 रन देकर छह विकेट झटके जिससे मेजबान टीम 608 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 271 रन पर सिमट गई।

इस जीत के दौरान कप्तान शुभमन गिल (269 रन और 161 रन) के दोनों पारियों में शतक से भारत ने रनों का अंबार लगाया तो वहीं आकाश दीप भी बल्लेबाजी के मुफीद पिच पर कमाल की गेंदबाजी से बराबर के हकदार हैं।

बारिश के कारण पांचवें और अंतिम दिन का खेल एक घंटा 40 मिनट के विलंब से शुरू हुआ जिससे दिन के ओवर घटाकर 80 कर दिए गए। इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 72 रन से आगे खेलना शुरू किया। मोहम्मद सिराज (सात विकेट) ने पहली पारी में गेंदबाजी का नेतृत्व कर इंग्लैंड को 407 रन ही बनाने दिए थे, उन्होंने दूसरी पारी में शानदार कैच लपके। आकाशदीप ने पांचवें दिन नई गेंद से दो विकेट झटके।

बिहार के एक छोटे से कस्बे में पर्याप्त मौके नहीं मिलने के कारण सरकारी स्कूल के शिक्षक के बेटे आकाशदीप के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। वह टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर मिलने वाली 'पॉकेट मनी' पर गुजारा करते।

फिर बंगाल में सात साल पहले 'स्काउट्स' ने उनकी काबिलयत देखकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। उन्होंने 2019 में क्रिसमस के दौरान बंगाल के लिए अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला।

उनकी तेज इनकटर ने जो रूट, बेन डकेट, ओली पोप और हैरी ब्रुक को चकमा दिया और अपने कप्तान को बुमराह की कमी महसूस नहीं होने दी।

आकाशदीप की बहन कैंसर से पीड़ित है और हर बार जब वह पिच की ओर दौड़ते हैं तो उनकी बीमार बहन उन्हें दिखती।

इंग्लैंड के लिए जैमी स्मिथ (88 रन) अकेले डटे रहे और आकाशदीप की गेंद पर आउट हुए जिनका विकेट लेते ही भारत के इस मध्यम गति के गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में पहली पार पांच विकेट झटकने का कारनामा किया।

आकाशदीप ने मैच का अंतिम विकेट लेकर अपना दसवां विकेट हासिल किया और यह कैच भी मैच के दूसरे स्टार रहे गिल ने लपका। टेस्ट कप्तान के तौर पर यह गिल की पहली जीत भी है।

यमन तट के निकट लाल सागर में जहाज पर हमला

दुबई/एपी। यमन तट के निकट लाल सागर में हथियारबंद व्यक्तियों ने रविवार को एक जहाज पर हमला किया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अज्ञात जहाज को बाद में संभवतः बम ले जाने वाली नावों ने टक्कर मार दी, जिससे उसमें आग लग गई। ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हमले की जिम्मेदारी किसी समूह ने अभी नहीं ली है। यह हमला इजराइल हमास युद्ध, ईरान-इजराइल युद्ध और ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका के हमलों के बाद मध्य एशिया में व्याप्त तनाव के बीच हुआ है। हमले को लेकर यमन के हूती विद्रोहियों पर संदेह जताया जा रहा है, जो इससे पहले भी लाल सागर गलियारे में हमले कर चुका है। वहीं, 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने कहा कि जहाज पर तैनात एक सशस्त्र सुरक्षा टीम ने जवाबी हमला किया। एजेंसी ने बताया कि यह हमला यमन के होदेदा से लगभग 100 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में हुआ। होदेदा हूती विद्रोहियों के कब्जे में है।

सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान सफलता की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महा अभियान-2025 के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी महापौरों, जिला पंचायत अध्यक्षों, क्षेत्र पंचायत अध्यक्षों, ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत सदस्यों, ब्लॉक पंचायत सदस्यों, पार्षदों, सभासदों एवं ग्राम प्रधानों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद किया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये एक अलग बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों एवं विधान परिषद सदस्यों के साथ संवाद किया और उनसे अपने-अपने क्षेत्रों में इस पौध रोपण अभियान का नेतृत्व करने की अपील की।

सांसदों-विधायकों और मंत्रियों से संवाद में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''एक पौधे को अगर हम जीवन देंगे तो भविष्य में वृक्ष बनकर वह हमें भी जीवन देगा।''

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 2017 के पहले प्रदेश में वन एवं खनन माफिया हावी थे, इसके कारण प्रदेश का वन आच्छादन नीचे गिरता चला गया था। उन्होंने कहा, ''पिछले आठ वर्ष में ईमानदारी से किए गए प्रयासों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश के वन आच्छादन में व्यापक स्तर की वृद्धि हुई है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने हेतु व्यापक जन आन्दोलन के माध्यम से वृक्षारोपण करके हरित आवरण में वृद्धि करने के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है।

राफेल की बिक्री प्रभावित करने के लिए चीन ने किया दूतावासों का इस्तेमाल : फ्रांसीसी अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फ्रांसीसी वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलांगर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान उन्होंने केवल तीन भारतीय विमानों को क्षति होने की ओर इशारा करते हुए सबूत देखे हैं। इनमें एक राफेल, एक रूस निर्मित सुखोई और फ्रांस निर्मित एक मिराज 2000 लड़ाकू विमान शामिल है।

पेरिस/एपी। चीन ने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के बारे में भ्रम की स्थिति पैदा करने की जिम्मेदारी अपने दूतावासों को दी थी, ताकि इस विमान की प्रतिष्ठा और बिक्री को नुकसान पहुंचाया जा सके। फ्रांसीसी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखी गई फ्रांसीसी खुफिया सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के दूतावासों में रक्षा अधिकारियों (डिफेंस अताशे) ने राफेल की बिक्री को प्रभावित करने के लिए अभियान चलाया, जिसका उद्देश्य उन देशों को राजी करना था, जिन्होंने पहले से ही फ्रांस निर्मित लड़ाकू विमान का ऑर्डर दे दिया है - विशेष रूप से इंडोनेशिया- कि वे राफेल विमान न खरीदें तथा अन्य संभावित खरीदारों को चीन निर्मित विमान चुनने के लिए प्रोत्साहित किया।

फ्रांसीसी सेना के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए रिपोर्ट एपी के साथ साझा की। सैन्य अधिकारी और शोधकर्ता तब से इस बात का ब्योरा जुटा रहे हैं कि पाकिस्तान के चीन निर्मित सैन्य उपकरण विशेष रूप से युद्धक विमान और मिसाइलें - भारत द्वारा पाकिस्तानी लक्ष्यों को भेदने के लिए इस्तेमाल किए गए हथियारों, विशेष रूप से फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के मुकाबले कैसा प्रदर्शन कर रहे थे।

फ्रांस राफेल के खिलाफ कथित दुष्प्रचार अभियान से लड़ रहा है।

पाकिस्तान ने दावा किया कि उसकी वायुसेना ने सैन्य संघर्ष के दौरान पांच भारतीय विमानों को मार गिराया, जिनमें तीन राफेल भी शामिल थे। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि इससे उन देशों की ओर से राफेल के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे, जिन्होंने फ्रांसीसी निर्माता दसॉ एविएशन से लड़ाकू विमान खरीदे हैं।

भारत ने विमान के नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन यह नहीं बताया कि उसके कितने विमान गिरे हैं। फ्रांसीसी वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलांगर ने कहा कि उन्होंने केवल तीन भारतीय विमानों को क्षति होने की ओर इशारा करते हुए सबूत देखे हैं। जेरोम के मुताबिक इनमें एक राफेल, एक रूस निर्मित सुखोई और फ्रांस निर्मित एक मिराज 2000 लड़ाकू विमान शामिल है।

फ्रांस ने आठ देशों को राफेल लड़ाकू विमान बेचे हैं, जिनमें से भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान इस विमान के गिरने का पहला ज्ञात मामला है। फ्रांसीसी अधिकारी विमान की प्रतिष्ठा को नुकसान से बचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान और उसके सहयोगी चीन द्वारा राफेल के खिलाफ एक संगठित अभियान और ऑनलाइन गलत जानकारी फैलाई जा रही है।

उनका कहना है कि इस अभियान में सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट, राफेल के कथित मलबे को दिखाने वाली छेड़छाड़ की गई तस्वीरें, कृत्रिम मेधा से तैयार सामग्री और कथित युद्ध का अनुकरण करने के लिए वीडियो-गेम चित्रण शामिल थे। ऑनलाइन गलत जानकारी पर विशेष ध्यान देने वाले फ्रांसीसी शोधकर्ताओं के अनुसार, भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान नए बनाए गए 1,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट ने भी चीनी तकनीकी श्रेष्ठता की कहानी फैलाई।

फ्रांसीसी सैन्य अधिकारियों का कहना है कि वे राफेल के खिलाफ ऑनलाइन प्रचार को सीधे चीनी सरकार से जोड़ने में सक्षम नहीं हो पाए हैं। खुफिया आकलन के अनुसार, चीनी अधिकारियों ने संभावित ग्राहकों पर फ्रांसीसी विमानों का विचार छोड़ने के लिए दबाव डाला। फ्रांसीसी खुफिया सेवा ने कहा कि चीनी दूतावास के रक्षा अधिकारियों ने अन्य देशों के सुरक्षा और रक्षा अधिकारियों के साथ बैठकों में भी यही बात दोहराई और तर्क दिया कि भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों का प्रदर्शन खराब है।

सीतारमण ने रूस, चीन के वित्त मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रूसी और चीनी समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं और द्विपक्षीय सहयोग और हितों के मुद्दों पर चर्चा की। ये बैठकें रियो डी जेनेरियो में 'ब्रिक्स' देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान आयोजित की गईं।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक के दौरान सीतारमण ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार जताया।

दोनों नेताओं ने भारत-रूस दीर्घकालिक साझेदारी पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच आपसी विश्वास और समझ का स्तर अनुकरणीय है तथा हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी मजबूत और स्थिर बनी हुई है। दोनों पक्षों ने वित्तीय क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ नव विकास बैंक (एनडीबी) से संबंधित मामलों सहित द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर भी चर्चा की।

सीतारमण ने चीनी समकक्ष लैन फोआन के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने साझा समृद्ध मानव पूंजी, गहरे संबंधों और बढ़ते आर्थिक प्रभाव के कारण विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने सितंबर, 2024 में समरकंद में एआईआईबी की वार्षिक बैठकों के दौरान हुई अपनी पिछली बैठक को याद किया।

सीतारमण ने रेखांकित किया कि भारत और चीन समावेशी वैश्विक विकास और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए विशिष्ट स्थिति में हैं क्योंकि दोनों देश दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। वित्त मंत्री ने सुझाव दिया कि दोनों देशों के बीच गहन सहयोग से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आवाज को बढ़ाने में मदद मिलेगी, तथा वैश्विक आख्यानों को आकार देने में मदद मिलेगी, जो वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करेंगे।

इंडोनेशिया के उप वित्त मंत्री थॉमस दजिवांदोनो के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत शीघ्र ही इंडोनेशिया आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता की मेजबानी करने की आशा करता है।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद इंडोनेशिया को उसके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने ब्रिक्स, यूपीआई और रुपे, जी-20, एमडीबी सुधार, द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन, वित्तीय प्रौद्योगिकी और वित्तीय बाजारों पर भी चर्चा की। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद के साथ द्विपक्षीय बैठक में उन्होंने द्विपक्षीय हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

हिमाचल में राहत कार्य इसी तरह से होते रहे तो 20 साल में भी सत्ता में नहीं लौटेगी कांग्रेस : कंगना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के बारिश प्रभावित मंडी का दौरा करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत ने रविवार को कहा कि राज्य में राहत कार्य इसी तरह से होते रहे तो कांग्रेस आगामी 20 साल में भी सत्ता में नहीं लौटेगी।

लोकसभा में मंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली कंगना ने कहा कि वह एक सांसद के रूप में केवल प्रधानमंत्री को ही स्थिति से अवगत करा सकती हैं। कंगना ने थुनाग पंचायत में कहा, मुझे लोगों की दुर्दशा देखकर बहुत दुख हुआ है। उन्होंने परिवार के सदस्यों को खो दिया है, मकान ढह गए हैं, कई लोग अब भी लापता हैं, लेकिन हम उन परिवारों को केवल सांत्वना दे सकते हैं जिन्होंने अपने परिजन को खो दिया है, और अब राहत प्रदान करने का समय आ गया है। थुनाग पंचायत मंडी उन विभिन्न स्थानों में से एक है, जो मंगलवार को बादल फटने की घटना से प्रभावित हुए थे।

बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन के कारण भारी तबाही हुई है, जिसके चलते 14 लोगों की मौत हो गई है और 31 लापता लोगों की तलाश जारी है। आपदा में 150 से अधिक मकान, 106 पशुशालाएं, 31 वाहन, 14 पुल और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कुल 164 मवेशी मारे गए हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, रविवार सुबह तक मंडी जिले में लगभग 200 सड़कों पर यातायात बंद कर दिया गया है जबकि 236 ट्रांसफार्मर और 278 आपूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं।

भाजपा नेता ने हिंदी भाषियों पर हमले की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। हिंदी भाषी लोगों के खिलाफ हिंसा के बीच, महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार ने रविवार को पहलगाम आतंकवादी हमले एवं मुंबई में 'हिंदुओं' की पिटाई की तुलना करते हुए कहा कि कुछ नेताओं ने उसका समर्थन किया है।

उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे पर परोक्ष हमला करते हुए शेलार ने कहा कि राज्य देख रहा है कि कैसे कुछ नेता ''अन्य हिंदुओं की पिटाई का आनंद ले रहे हैं।'' वरिष्ठ भाजपा नेता की यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं द्वारा यहां मिठाई की एक दुकान के मालिक की मराठी न बोलने पर पिटाई किये जाने के बाद उपजे आक्रोश के बीच आई है।

शनिवार को मनसे

पहलगाम हमले से तुलना की

कार्यकर्ताओं ने यहां वर्ली में शेयर बाजार निवेशक सुशील केडिया के कार्यालय के कांच के दरवाजे को क्षतिग्रस्त कर दिया, क्योंकि उन्होंने घोषणा की थी कि वह मराठी नहीं बोलेंगे और पार्टी प्रमुख राज ठाकरे को चुनौती दी थी। स्थानीय निकाय चुनाव से पहले मराठी बोलने को लेकर उत्पन्न विवाद एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है।

शेलार ने संवाददाताओं से कहा, ''पहलगाम आतंकी हमले में लोगों को गोली मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया था। यहां लोगों पर उनकी भाषा के आधार पर हमला किया जा रहा है, जो निराशाजनक है।'' भाजपा ने कहा, ''राज्य देख रहा है कि कैसे ये नेता अन्य हिंदुओं की पिटाई का आनंद ले रहे हैं।'' मंत्री से एमएनएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर हिंदी भाषी लोगों पर हमले के बारे में पूछा गया था। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के पास 22 अप्रैल, 2025 को सशस्त्र आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे। उसके बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा मराठी लोगों के सम्मान की रक्षा करेगी और गैर-मराठी बाशिंदों की भी हिफाजत करेगी। भाजपा नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मराठी हमारे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है।''

अदाणी एंटरप्राइजेज ने 1,000 करोड़ रु. के एनसीडी इश्यू की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने रविवार को 1,000 करोड़ रुपए के गैर परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) इश्यू की घोषणा की, जिसमें सालाना 9.30 प्रतिशत तक की प्रतिफल की पेशकश की गई है।

कंपनी ने बयान में कहा कि यह निर्गम नौ जुलाई बुधवार को खुलेगा और 22 जुलाई को बंद होगा। यह सालाना 9.30 प्रतिशत तक का प्रभावी प्रतिफल प्रदान करता है। यह अदाणी एंटरप्राइजेज का सुरक्षित, रेटेड, सूचीबद्ध विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) का दूसरा सार्वजनिक निर्गम है।

अदाणी समूह के समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने कहा, एईएल द्वारा एनसीडी का दूसरा सार्वजनिक इश्यू, समावेशी पूंजी बाजार विकास और दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे के विकास में खुदरा भागीदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

सरकार उच्चतम न्यायालय से पुराने वाहनों के संबंध में एक समान नियम बनाने की मांग करेगी : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार उच्चतम न्यायालय से आग्रह करेगी कि वह मियाद पूरी कर चुके वाहनों के लिए पूरे देश की तरह राष्ट्रीय राजधानी में भी एक समान नियम लागू करने की अनुमति दे। पिछले सप्ताह, दिल्ली सरकार ने केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग से मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध को तत्काल स्थगित किये जाने का आग्रह किया था।

सरकार ने कहा था कि सरकार तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर प्रतिबंध से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए ''सभी संभव प्रयास'' करेगी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा को लिखे पत्र में कहा कि ईंधन पर प्रतिबंध व्यवहार्य नहीं है और तकनीकी चुनौतियों के कारण इसे लागू नहीं किया जा सकता। गुप्ता ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लोगों की भावनाओं को रखेगी। उन्होंने कहा, ''हम उच्चतम न्यायालय को सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएंगे। जो मापदंड पूरे देश में लागू हैं, वही दिल्ली में भी लागू होने चाहिए। हम चाहते हैं कि दिल्लीवासियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वर्ष 2018 में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले में दिल्ली में 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने केंद्र को पत्र लिखकर की

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से सरकारी आवास खाली कराने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए यहां कृष्ण मेनन मार्ग स्थित भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के आधिकारिक आवास को खाली कराने के लिए केंद्र को पत्र लिखा है। उसने कहा है कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ वहां निर्धारित अवधि से अधिक समय से रह रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को एक जुलाई को भेजे गए पत्र में शीर्ष अदालत प्रशासन ने कहा कि भारत के वर्तमान प्रधान न्यायाधीश के लिए निर्दिष्ट आवास – कृष्ण मेनन मार्ग पर बंगला नंबर 5 – को खाली करा दिया जाए और उसे अदालत के आवास पूल में वापस कर दिया जाए। पत्र में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव से बिना किसी देरी के पूर्व प्रधान न्यायाधीश से बंगले का कब्जा लेने का अनुरोध किया गया है, क्योंकि उन्हें आवास आवंटित किये जाने की दी गई अनुमति न केवल 31 मई 2025 को समाप्त हो गई बल्कि 2022 नियमों के तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि भी 10 मई 2025 को समाप्त हो गई है। सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश (संशोधन) नियम, 2022 के नियम 3बी के तहत, भारत के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश सेवानिवृत्ति के बाद अधिकतम छह महीने की अवधि के लिए टाइप 7 बंगला रख सकते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, जिन्होंने नवंबर 2022 और नवंबर 2024 के बीच 50वें सीजेआई के रूप में कार्य किया है, वह पद छोड़ने के लगभग आठ महीने बाद भी भारत के प्रधान न्यायाधीश के आधिकारिक आवास पर रह रहे हैं। पिछले साल 18 दिसंबर को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि उन्हें 30 अप्रैल 2025 तक 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित आवास में रहने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा था कि हालांकि उन्हें 2022 के नियमों के अनुसार तुगलक रोड पर बंगला नंबर 14 आवंटित किया गया है, लेकिन नए आवास पर नवीनीकरण का काम हो रहा है।

मंडी में बादल फटने के बाद पूरा परिवार लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केवल दस महीने की बच्ची जिंदा बची

शिमला/भाषा। मंडी जिले के तलवारा गांव में बादल फटने की घटना में दस महीने की नितिका के परिवार के तीन सदस्य या तो बह गए या उनकी मृत्यु हो गई और वह संभवतः अपने परिवार की अकेली जीवित सदस्य रह गयी है। मंगलवार को जब गांव में बादल फटा तब बच्ची के 31 वर्षीय पिता रमेश कुमार अपने घर के अंदर घुस रहे पानी को रोकने की कोशिश कर रहे थे तभी बादल फटने से गांव में तबाही मच गई। उनका शव मलबे में मिला। नितिका की मां राधा देवी (24) और दादी पुर्णू देवी (59) रमेश की तलाश में निकल पड़ीं। दोनों महिलाओं का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पड़ोसी प्रेम सिंह ने बच्ची को अकेले रोते हुए देखा और उसे रमेश के चचेरे भाई बलवंत के पास ले गए। बलवंत पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के निजी सुरक्षा अधिकारी हैं।

बलवंत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बच्ची हमारे पास है। उन्होंने कहा कि उप-विभागीय मजिस्ट्रेट ने बच्ची के नाम पर बैंक खाता खोलने की पेशकश की है और यह खाता कल खोला जाएगा। बलवंत ने कहा, उन्होंने (एसडीएम ने) कहा कि बहुत सारी कॉल आ रही हैं और लोग इस त्रासदी के बारे में सुनने के बाद बच्ची की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। बादल फटने से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र पवारा, थुनाग, बैदशाड़, कंडा और मुरादा हैं। इन सभी पंचायतों में भारी तबाही हुई है, जहां सड़क, पानी और बिजली योजनाओं को काफी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की दस घटनाओं में अब तक चौदह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 31 लापता लोगों की तलाश जारी है। बलवंत ने बताया कि रमेश ने भी मात्र छह महीने की उम्र में पिता को खो दिया था।

तेलंगाना के दवा संयंत्र विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 42 हुई

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा संयंत्र में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 42 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 30 जून को हुए विस्फोट में झुलसे एक व्यक्ति की रविवार को अस्पताल में मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति की मृत्यु की पुष्टि डीएनए जांच के जरिए हुई।

अधिकारी ने बताया कि पाशमिलाराम स्थित संयंत्र में विस्फोट के बाद आठ लोग लापता हैं। उन्होंने कहा, ''एफएसएल (फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला) में नमूने हैं। कल भी हड्डियां बरामद की गई थीं और आज (विस्फोट स्थल से) मानव शरीर के अवशेष मिले हैं और यदि वे (परिवार के सदस्यों के साथ डीएनए परीक्षण में) मेल खाते हैं, तो लापता व्यक्तियों की संख्या में और कमी आएगी।''

इंडिगो अंतरराष्ट्रीय विस्तार को लेकर उत्साहित : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एम्सटर्डम/भाषा। अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर जोर देते हुए एयरलाइन इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि एम्सटर्डम यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाकी हिस्सों को जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा।

इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, जिसकी घरेलू बाजार में 64 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वह नए मार्गों और साझेदारियों के साथ तेजी से अपनी विदेशी पहुंच को बढ़ा रही है। इंडिगो ने यूरोप में प्रवेश करते हुए इस सप्ताह मुंबई से मैनचेस्टर और एम्सटर्डम के लिए सीधी सेवाएं शुरू कीं। एल्बर्स ने इन पेशकश को एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मुझे लगता है कि अब यूरोप में प्रवेश करने का वक्त है। यह बदलाव सिर्फ दो नए गंतव्यों से कहीं अधिक गहरा है। यह उत्पाद का बदलाव है। यह कुछ साझेदारियों में बदलाव है। यह प्रोफाइल का बदलाव है।'' उन्होंने कहा, ''400 से ज्यादा विमानों के बेड़े के साथ, इंडिगो 90 से ज्यादा घरेलू और 40 विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ान भरती है।'' एल्बर्स ने कहा कि एम्स्टर्डम हवाई अड्डा संपर्क के लिए बहुत बढ़िया है और यह निश्चित रूप से यहां से यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाकी हिस्सों से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण बिंदु बन जाएगा। एयरलाइन की योजना मार्च 2026 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में नेटवर्क में 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्य जोड़ने की है। इनमें लंदन, कोपेनहेगन और एथेंस शामिल हैं।

मराठी भाषा और संस्कृति का दायरा दूर-दूर तक बढ़ाएं : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को लोगों को 'आषाढ़ी एकादशी' की बधाई दी और मराठी भाषा एवं संस्कृति को दूर-दूर तक फैलाने का आह्वान किया। अपने संदेश में पवार ने सोलापुर जिले के पंढरपुर की वार्षिक 'वारी' यात्रा को भक्ति, अनुशासन और आध्यात्मिक समानता पर आधारित एक गौरवशाली परंपरा बताया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार ने कहा, ''यह महाराष्ट्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ताकत है जिसे संरक्षित और मजबूत किया जाना चाहिए।'' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मराठी भाषा और संस्कृति दूर-दूर तक गूंजे, महाराष्ट्र की प्रगति का झंडा गर्व के साथ ऊंचा फहराए। राज्य एकता, समृद्धि और ताकत के साथ आगे बढ़े।'' उन्होंने कहा कि आषाढ़ी वारी महाराष्ट्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सदियों से वारकरी संप्रदाय ने न केवल राज्य के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का मार्गदर्शन किया है, बल्कि उसे समृद्ध भी किया है। पवार ने कहा कि भगवान विट्ठल का नाम जपते हुए पंढरपुर की ओर चल रहे लाखों वारकरी एकता, समानता और भाईचारे को दर्शाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने अच्छे मानसून और समृद्ध कृषि मौसम के लिए भी प्रार्थना की। उन्होंने कहा, ''मैं प्रार्थना करता हूं कि खेत उपजाऊ हों, घरों में अनाज भरपूर हो तथा राज्य के हर घर में शांति और खुशहाली आए।''

पवार ने कहा, ''वारी हमें मानवता और समर्पण का सच्चा सार सिखाती है। इस भावना को महाराष्ट्र के विकास में शामिल किया जाना चाहिए।'' उन्होंने आषाढ़ी वारी को भगवान पांडुरंग के प्रति भक्ति की महान परंपरा बताया और कहा कि यह महाराष्ट्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता की शक्ति का प्रतीक है। पवार ने कहा कि सदियों से लाखों वारकरी 'हरि नाम' जपते हुए पंढरपुर की ओर बढ़ते हैं और अपने आचरण से एकता, समानता व भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। उन्होंने कहा, ''यह महाराष्ट्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता की ताकत है। इसे संजोना और आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है।''

ठाकरे बंधुओं में हिम्मत है तो भोजपुरी बोलने पर मुझे महाराष्ट्र से निकालकर दिखाएं : दिनेश

मुंबई/भाषा। मराठी को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सड़क पर उतरकर मारपीट करने के बाद 'निरहुआ' के नाम से मशहूर अभिनेता और गायक दिनेश लाल यादव ने ठाकरे बंधुओं (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) को चुनौती दी है कि यदि उनमें हिम्मत है तो वे भोजपुरी बोलने के कारण उनको महाराष्ट्र से बाहर निकालकर दिखाएं। पलटवार करते हुए मनसे के एक नेता ने कहा कि अगर यादव में हिम्मत है तो उन्हें महाराष्ट्र का दौरा करना चाहिए। यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के धर्मेंद्र यादव के खिलाफ आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र से 2024 का चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

यादव ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं खुली चुनौती दे रहा हूं। मैं मराठी नहीं बोलता। मैं भोजपुरी बोलता हूं और महाराष्ट्र में ही रहूंगा। आप गरीब लोगों को क्यों निकाल रहे हैं? अगर आपमें हिम्मत है तो मुझे बाहर निकालिए। मैं आपको चुनौती दे रहा हूं, मुंबई में भी।'' उन्होंने भाषा को लेकर लोगों के बीच दरार पैदा करने के प्रयासों के पीछे गंदी राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''देश की खूबसूरती भाषाओं की विविधता है और विभिन्न मातृभाषा बोलने वाले लोग सौहार्दपूर्ण तरीके से रह रहे हैं। आप इस खूबसूरती को नष्ट करना चाहते हैं।''

दीर्घावधि की नीतियां वाहन उद्योग की वृद्धि के लिए जरूरी : स्टेलेंटिस इंडिया सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। यूरोप की वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी स्टेलेंटिस का मानना है कि दीर्घकालिक स्थिर नीतिगत ढांचा और भारत के विभिन्न राज्यों में इसका एक समान क्रियान्वयन वाहन विनिर्माताओं के लिए लंबी अवधि में अपनी व्यावसायिक योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए महत्वपूर्ण है। जीप और सिट्रोएन जैसे ब्रांड के माध्यम से भारत में उपस्थिति रखने वाली स्टेलेंटिस का मानना है कि नीतिगत ढांचा पूरे देश में अनौपचारिक रूप से काम करना चाहिए ताकि उद्योग दीर्घकालिक व्यावसायिक रणनीतियों को क्रियान्वित करने में सक्षम हो सके।

यहां पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में स्टेलेंटिस इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक शैलेश हजेला ने कहा कि भारत आने वाला कोई भी निवेशक लंबी अवधि की नीतियां देखना चाहता है। भारतीय वाहन उद्योग के विकास को गति देने वाली सरकारी कार्रवाइयों के बारे में पूछे जाने पर हजेला ने कहा, ''इसलिए सरकार के लिए हमारी इच्छा सूची यह है कि वे जो भी निर्णय लें, दीर्घावधि के लिए होने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा होगा यदि ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) और कराधान के मामले में देशभर में नीतियों में एकरूपता हो ताकि कंपनियां राज्यवार नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर योजना बना सकें। हजेला ने कहा, ''अगर सरकार एकरूपता ला सकती है, जो वे कर सकते हैं, तो यह वास्तव में उद्योग को एकीकृत और संक्षिप्त तरीके से योजना बनाने में सक्षम बनाएगा।'' उन्होंने विभिन्न राज्यों द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन के लिए अलग-अलग नीतियां लागू करने का उदाहरण दिया। हजेला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, स्टेलेंटिस समूह ने सहायक बुनियादी ढांचा तैयार किया है, और अब यह विशेष रूप से सिट्रोएन ब्रांड के लिए अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रहा है। हजेला ने कहा कि बिक्री नेटवर्क को मजबूत करने और नए उत्पाद पेश करने के साथ देश में ब्रांड की उपस्थिति बढ़ाने के लिए पहले से ही एक योजना चल रही है। फ्रांसीसी वाहन कंपनी वर्तमान में भारतीय बाजार में सी3 हैचबैक, एयरक्रॉस एसयूवी, बेसाल्ट कूप-एसयूवी और इलेक्ट्रिक ई-सी3 बेचती है। उन्होंने कहा कि सिट्रोएन अगले एक साल में अपने बिक्री टचपॉइंट को लगभग 80 से बढ़ाकर 150 से अधिक कर देगी। इसमें यह छोटे शहरों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी।

शिवसेना विधायक ने हिंदी-मराठी विवाद पर कहा

क्या 16 भाषाएं सीखने वाले संभाजी महाराज मूर्ख थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने राज्य के स्कूलों में हिंदी और त्रिभाषा नीति के सख्त विरोध को लेकर उद्धव और राज ठाकरे पर हमला करने के लिए छत्रपति संभाजी महाराज के बहुभाषाविद् होने का हवाला दिया।

ठाकरे भाइयों ने शनिवार को मुंबई में दो दशकों में पहली बार एक संयुक्त रैली की, जिसमें उन्होंने देवेंद्र फडणवीस सरकार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत तीन भाषा नीति पर दो सरकारी प्रस्तावों (जीआर) को वापस लेने को अपनी ''सफलता'' के तौर पर चिह्नित किया।

इस कार्यक्रम में शिवसेना (उबाठा) के नेता उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे ने राज्य में हिंदी थोपने और मराठी को दरकिनार करने के सरकार के सभी प्रयासों का विरोध करने का संकल्प लिया।

गायकवाड़ ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, ''छत्रपति संभाजी महाराज ने 16 भाषाएं सीखी थीं तो क्या वह मूर्ख थे? ताराबाई और जीजाबाई हिंदी सहित कई भाषाएं जानती थीं। क्या वे भी मूर्ख थीं? हमें जितनी हो सके उतनी भाषाएं सीखनी चाहिए।'' बुलढाणा से विधायक ने ठाकरे भाइयों पर प्रहार करते हुए कहा, ''भाषा के मुद्दे पर राजनीति करना गलत है। अगर हम आतंकवाद को रोकना चाहते हैं तो हमें उर्दू भी सीखनी चाहिए। मैंने यह कई बार कहा है।''

इतिहासकारों के अनुसार, छत्रपति संभाजी महाराज काफी पढ़े-लिखे शासक थे जिन्हें संस्कृत, मराठी सहित कई भाषाओं का अच्छा ज्ञान था।

कोट्टायम मेडिकल कॉलेज घटना

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज मृतका के परिजनों से मिलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम/भाषा। केरल में कोट्टायम के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में तीन दिन पहले इमारत का एक हिस्सा ढहने की घटना में जान गंवाने वाली महिला के परिजनों से केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को मुलाकात की। इस घटना के कारण मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच जॉर्ज ने मृतका के परिजनों से मुलाकात की। बिन्दु (52) बृहस्पतिवार को अस्पताल की एक इमारत का हिस्सा ढह जाने के बाद मलबे में दब गई थीं। वह अस्पताल में अपनी बीमार बेटी के साथ थीं।

जॉर्ज मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के स्थानीय नेताओं के साथ रविवार सुबह मृतका के घर पहुंचीं। घटना को लेकर शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्य में उग्र प्रदर्शन हुए थे। मंत्री ने बिन्दु के पति, उनकी मां और बच्चों से बातचीत की तथा उन्हें सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। बाद में, पत्रकारों से बातचीत के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बिन्दु की मौत हृदयविदारक और अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा, ''जहां तक मेरा सवाल है, इस परिवार का दुख मेरा दुख है। मैंने उनके पति, मां और अन्य सभी रिश्तेदारों से मुलाकात की और उनके साथ दुख साझा किया। सरकार पूरी तरह से उनके साथ है।''

जॉर्ज ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पहले ही इस बारे में बात की है और राज्य मंत्रिमंडल के फैसले के आधार पर परिवार के लिए राहत उपायों की घोषणा की जाएगी। बिन्दु के पति विश्रुतन ने कहा कि मंत्री ने परिवार को आश्वासन दिया है कि उनके बेटे को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि परिवार को सरकार से उम्मीद है और वे अब तक अधिकारियों द्वारा दी गई सहायता से प्रयासों से संतुष्ट हैं। कोट्टायम सरकारी मेडिकल कॉलेज के वार्ड 10, 11 और 14 के पास स्थित शौचालय परिसर बृहस्पतिवार को उस समय ढह गया था जब नवनिर्मित सर्जिकल ब्लॉक' में अस्पताल का परिचालन पूर्णतः स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी थी। इस घटना में बिन्दु की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से श्रमिक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुदुनगर। विरुदुनगर के निकट एक गांव में रविवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में एक श्रमिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस सिलसिले में एक फैक्टरी के फोरमैन को गिरफ्तार किया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि केलाथायिलपट्टी गांव में आतिशबाजी इकाई में हुआ विस्फोट विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान रसायनों के बीच घर्षण के कारण हुआ है। अधिकारी ने बताया कि करीब 50 वर्षीय एक श्रमिक की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मृतक के परिवार के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की तथा अधिकारियों को घायल श्रमिकों की विशेष देखभाल सुनिश्चित करने का आदेश दिया। आधिकारिक विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिक के परिवार को चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

साथ ही उन्होंने गंभीर रूप से घायल श्रमिक को एक लाख रुपए तथा मामूली रूप से घायल अन्य को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

मृतक श्रमिक की पहचान शिवकाशी के थिरुथंगल निवासी एम. बालगुरुस्वामी के रूप में हुई है।

मलप्पुरम में व्यक्ति की जान लेने वाला बाघ 53 दिन की तलाश के बाद पकड़ा गया

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम में कलिकावु के निकट करीब दो महीने पहले एक व्यक्ति को मारने वाला बाघ रविवार को पकड़ा गया। वन विभाग ने यह जानकारी दी। हालांकि, टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, जब वन विभाग के अधिकारियों ने पिंजरे में बंद बाघ को ले जाने की कोशिश की, तो स्थानीय निवासियों की भारी भीड़ वहां एकत्र हो गई और उन्हें बाघ को ले जाने से रोक दिया।

स्थानीय लोगों ने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें चिंता है कि बाघ को उसी क्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा और इससे उनकी जान को फिर से खतरा पैदा हो सकता है। बाद में अधिकारियों द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद कि बाघ को इस इलाके में दोबारा नहीं छोड़ा जाएगा, स्थानीय लोगों ने उसे ले जाने की अनुमति दे दी। वन मंत्री ए के ससीन्द्रन ने संवाददाताओं को बताया कि फिलहाल बाघ को वन विभाग की हिरासत में रखा जाएगा। मंत्री ने कहा, इसके बाद, यह निर्णय लेने के लिए विशेषज्ञ स्तर पर चर्चा की जाएगी कि इसे घने जंगल में छोड़ा जाए या जंगली जानवरों के आश्रय स्थल में स्थानांतरित किया जाए। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया कि बाघ की उम्र करीब 13 साल है, इसलिए इसे जंगल में वापस छोड़े जाने की संभावना कम है। इससे पहले सुबह में अधिकारी ने बताया कि 20 सदस्यों वाले तीन दलों ने 15 मई से कलिकावु के आसपास के जंगलों में बाघ की तलाश में गहन तलाशी अभियान शुरू किया था।

अधिकारी ने बताया कि रविवार तड़के बाघ एक पिंजरे में फंस गया। इस बाघ ने 15 मई को 45 वर्षीय गफूर पर हमला कर दिया था और उसे जंगल में खींच ले गया था। मई में इस बाघ की पहचान 'साइलेंट वैली नेशनल पार्क' के बाघ के रूप में की गई थी, जो उस क्षेत्र में लगाए गए कैमरा ट्रैप में ली गई उसकी तस्वीर पर आधारित था।

कलैगनार महिला अधिकार योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा : तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने रविवार को कहा कि कलैगनार महिला अधिकार योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा, जिसके तहत महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक सहायता राशि दी जाती है।

योजना का दायरा बढ़ाने का उद्देश्य अधिक पात्र महिलाओं को इसमें शामिल करना है। विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रहीं विशेष योजनाओं को सूचीबद्ध करते हुए राज्य सरकार ने कहा कि नान मुधलवन योजना के तहत आयोजित नौकरी मेलों के माध्यम से 63,949 छात्रों को रोजगार मिला। 'नान मुधलवन' द्रमुक सरकार की प्रमुख पहलों में से एक है।

योजना के तहत, 29 सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में 30.17 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कौशल और रोजगार केंद्र बनाए गए हैं। अब तक, 41,38,833 छात्रों और 1,00,960 लेक्चरर को इस योजना के तहत प्रशिक्षण मिला है। सरकार ने बताया कि संयुक्त कैम्पस प्लेसमेंट पहल के माध्यम से 1,01,973 छात्रों को नौकरी के अवसर मिले हैं तथा उयारवुक्कु पाडी योजना के तहत 77,752 छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिला दिलाया गया है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा 15 सितंबर, 2023 को शुरू की गई कलैगनार मगलिर उरीमाई थित्तम के तहत, 1.15 करोड़ महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में हर महीने सीधे 1,000 रुपये जमा किए जाते हैं।

सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, 2023-2024 के लिए 8,123.83 करोड़ रुपये और 2024-2025 के लिए 13,721.50 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

इस योजना का विस्तार करके अधिक पात्र महिलाओं को इसमें शामिल किया जाएगा। मक्कलूदन मुधलवर योजना के तहत 14,45,109 आवास स्थल पट्टे प्रदान किए गए हैं।

डॉ. एल मुरुगन ने तमिलनाडु में भाजपा को हर बूथ पर मजबूत बनाने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने तमिलनाडु भाजपा को बूथवार मजबूत करने के मकसद से रविवार को चेन्नई में आयोजित 'बूथ सुदृढ़ीकरण यात्रा' परियोजना के तहत राज्य स्तरीय कार्यशाला में शिरकत की। डॉ. एल मुरुगन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा, 'इस बैठक में मैंने पिछले 11 वर्षों के शासन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए लागू की गईं रचनात्मक विकास योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और तमिलनाडु के हर बूथ पर जनता और पार्टी के बीच अच्छे संबंधों को मजबूत करने के बारे में बातचीत की।'

सभी मंदिरों में गौशाला, सनातन धर्म की शिक्षा देने वाली संस्था और अस्पताल की जरूरत : केरल के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर। केरल के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य के प्रत्येक मंदिर में गौशाला, सनातन धर्म की शिक्षा देने वाला संस्थान और एक चिकित्सालय स्थापित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह कार्य देवस्वोम बोर्ड के माध्यम से किया जा सकता है। राज्यपाल शनिवार शाम तालीपरंबा स्थित श्री राजराजेश्वर मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी मंदिरों में चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

आर्लेकर ने कहा, हमारे सभी मंदिरों में एक गौशाला अवश्य होनी चाहिए, जहां सड़कों पर घूम रही गायों को लाया जा सके। यह हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। इसके लिए दान देने को कई लोग तैयार होंगे। राज्यपाल ने कहा, हमें एक शैक्षणिक संस्थान भी अवश्य बनाना चाहिए। यह अनिवार्य है। अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को सनातन धर्म का ज्ञान कौन देगा? उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है', इसलिए मंदिरों में चिकित्सालय की सुविधा भी अनिवार्य है। आर्लेकर ने कहा कि ये तीनों कार्य देवस्वोम बोर्ड द्वारा किए जा सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा, ''लोग मंदिर के लिए कुछ भी दान देने को तैयार रहते हैं, बस हमें उनसे संवाद करना होता है।'' उन्होंने कहा, आज की आवश्यकता यही है कि जो कुछ भी भगवान और मंदिर को अर्पित होता है, उसे गौशाला, शिक्षा संस्थान और चिकित्सा सुविधा के रूप में समाज को लौटाया जाए। यह सब हमें ही करना है।

डीके शिवकुमार उच्च पद के हकदार हैं : संत रम्बापुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कनकपुरा। राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए रम्बापुरी संत श्री राजदेशिकेंद्र शिवाचार्य ने रविवार को कहा कि पिछले चुनावों के बाद वे उच्च पद के हकदार थे।

कनकपुरा तालुक में सिद्धेश्वरस्वामी पहाड़ियों पर सीढ़ियों के उद्घाटन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, पिछले चुनावों के बाद उन्हें उच्च पद मिलना चाहिए था। आने वाले दिनों में उन्हें उच्च पद मिले।

कर्नाटक के लोग राज्य में पार्टी के लिए व्यापक बहुमत हासिल करने में उनकी कड़ी मेहनत से वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सहमति केवल उन्हें ही पता है। राजनीतिक नेताओं का सम्मान तभी होगा जब वे राष्ट्रीय नेताओं के सामने अपनी व्यवस्था का सम्मान करेंगे।

उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि कांग्रेस के कई नेता राज्य में नेतृत्व के बारे में बात कर रहे हैं। अगर राष्ट्रीय नेता स्थिति स्पष्ट कर दें, तो इससे लोगों के लिए यह मुद्दा सुलझ जाएगा और डी के शिवकुमार भी संतुष्ट हो जाएंगे। डी के शिवकुमार से मुख्यमंत्री बनने तक केपीसीसी अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए कहना वरिष्ठ नेताओं का बहुत सैद्धांतिक दृष्टिकोण नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर वे अपने वादे पर कायम रहे तो वे ऐसा करेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय नेता स्थिति स्पष्ट करें, अन्य नेताओं द्वारा इस बारे में बयानबाजी करने का कोई मतलब नहीं है। लोगों को राजनीति में अपनी बात रखनी चाहिए। हम सभी ने देखा है कि भाजपा के साथ अतीत में क्या हुआ।

संतों, लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छाएं होती हैं, इसे गलत नहीं कह सकते : उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कनकपुरा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं, लोगों और संतों द्वारा कुछ चीजों की इच्छा करना गलत नहीं है और उन्होंने कहा कि वह और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पार्टी लाइन का पालन करेंगे। कनकपुरा तालुक में कोडिहल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हमसे इस बारे में बात न करने को कहा है। अभी इस पर बात करना गलत होगा। हम सभी पार्टी की बात का पालन करते हैं।'

उन्होंने कहा, सिद्दरामय्या ने कई बार यह कहा है, लेकिन विपक्ष और मीडिया इस मुद्दे को उठाता रहता है। अब इस बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है। लोगों ने हम पर भरोसा जताते हुए हमें चुना है और हम अपना वादा पूरा कर रहे हैं।

रम्बापुरी के संत के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि समझौते के अनुसार उन्हें ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए, उन्होंने कहा, 'मैं इस बारे में खुलकर क्यों बोलूं। यह मेरे और मेरी पार्टी के बीच का मामला है। हम सभी पार्टी में मिलकर काम कर रहे हैं।'

एफ-35 लड़ाकू विमान की मरम्मत के लिए ब्रिटेन की इंजीनियरिंग टीम केरल पहुंची, विमान को एमआरओ ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। तकनीकी समस्या के कारण लगभग एक महीने से यहां फंसे ब्रिटिश रॉयल नेवी के एफ-35 लड़ाकू विमान को रविवार को मरम्मत के लिए निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित किया गया। हवाई अड्डा के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि विमान की मरम्मत करने के लिए विशेष रूप से आई ब्रिटिश इंजीनियर की टीम खामी का आकलन करेगी। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन से एक इंजीनियरिंग टीम ब्रिटिश रॉयल नेवी एफ-35बी लाइटनिंग लड़ाकू विमान का आकलन और मरम्मत करने के लिए रविवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। ब्रिटिश उद्यायोग के प्रवक्ता ने हवाई अड्डे पर इंजीनियरिंग टीम के पहुंचने की पुष्टि की। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''ब्रिटेन की एक इंजीनियरिंग टीम को एफ-35बी विमान का आकलन और मरम्मत करने के लिए तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भेजा गया है।'' प्रवक्ता के मुताबिक ब्रिटेन ने हवाई अड्डे के रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) केंद्र में विमान को ले जाने की पेशकश स्वीकार कर ली है और संबंधित अधिकारियों के साथ व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए चर्चा कर रहा है। इस बीच, हवाईअड्डा सूत्रों ने बताया कि लड़ाकू विमान को एमआरओ में ले जाया गया है। ब्रिटिश उद्यायोग के मुताबिक, ''ब्रिटेन भारतीय अधिकारियों और हवाईअड्डा टीम के निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए बहुत आभारी है।'' इस विमान की कीमत लगभग 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर है जिसे दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक माना जाता है। यह विमान 14 जून को तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरा था।

केरल सरकार कभी भी जानबूझकर जासूसों को राज्य में आमंत्रित नहीं करेगी : मंत्री मो. रियास

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के पर्यटन मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास ने रविवार को कहा कि राज्य की वाम मोर्चा सरकार और उसके मंत्री कभी भी जानबूझकर जासूसों को यहां बुलाकर सभी सुविधाएं नहीं देंगे। रियास ने संवाददाताओं से बात करते हुए भाजपा नेता के. सुरेंद्रन के इस आरोप पर यह टिप्पणी की कि मई में जासूसी के संदेह में गिरफ्तार की गई सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर' ज्योति मल्होत्रा को राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केरल में आमंत्रित किया गया था। सुरेंद्रन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मल्होत्रा को इस तरह का निमंत्रण दिये जाने की पुष्टि करने वाले एक आरटीआई जवाब का भी हवाला दिया और सवाल किया कि केरल पर्यटन विभाग ने पाकिस्तान से जुड़े जासूस की यात्रा को क्यों प्रायोजित किया। भाजपा नेता ने पहले भी 'एक्स' पर इस तरह के आरोप लगाए थे।

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना संख्या आईसीएफ/पीपीएमओ/ईओटी/3/2025 दिनांक 04.07.2025

निम्नलिखित ई – निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और इन निविदाओं के लिए कोटेशन दें। इस निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

क्रम सं.	निविदा संख्या	निविदा का शीर्षक	देय दिनांक/समय
01	आईसीएफडी2501ए	समझौता ज्ञापन की तिथि से दो वर्षों के लिए सभी वस्तुओं के एमआरपी में समान छूट के दर पर रेट कानट्रैक्ट के तहत विशुद्ध रूप से ब्रांडेड दवाओं की आपूर्ति हेतु खुदरा केमिस्ट/फार्मास्युटिकल वितरक/स्टॉकिस्ट के एम्पॅनलमेंट	21.07.2025 को 14.30 बजे

सवारी डिब्बा कारखाना

निम्नलिखित ई–निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा संख्या	मदों का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य (₹)
2025499211885	एलएचबी कोचों में सीटें, सामान रखने के रैक और आंतरिक फिटिंग लगाने तथा एलएचबी पीपी कोचों के लिए डमी पीवीसी शीट बिछाने के लिए कार्य अनुबंध	30,98,345.11/–
2025499211886	एसी ईएमयू कोचों में एंडवॉल आरएमपीयू ड्रेन पाइप एरेंजमेंट का इंस्टलेशन के लिए कार्य अनुबंध	4,29,359.31/–
2025499211887	कोलकाता मेट्रो (मेधा रेक) कोचों के लिए अलार्म प्रणाली सहित स्टैंड अलोन एस्पिरेशन टाइप ऑटोमेटिक धुआं/अग्नि पहचान प्रणाली का इंस्टलेशन और कमीशनिंग के लिए कार्य अनुबंध	14,95,620.74/–

निविदा बंद होने की तारीख: 29.07.2025 को 14.45 बजे /खुलने की तारीख 29.07.2025 को 15.00 बजे। उपरोक्त विज्ञापन का हिन्दी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/ पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर.–III

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना

निम्नलिखित ई – निविदाएँ IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

क्र. सं.	निविदा संख्या	खुली निविदा फाइल संदर्भ सं.	कार्य का नाम	अनुसूची विवरण/मात्रा		निविदा बंद और खुलने का समय
01	2025471211862–ओटी 04–एसएफ–एसएचएल	एमएस/सी/ओटी/04/स्टैंड एक्टिविटिज/शेल/2025–27	"विभिन्न प्रकार के शेलों की शेल स्टैंड गतिविधियाँ"	एलएसआरडी	144	25.07.2025 को 15.00 बजे
				एलडब्ल्यूएस पीपी 2.0	212	
				एलएसएलआरडी पीपी 2.0	45	
				केओएल एमइटी एमसी/टीसी	116	
				केओएल एमइटी डीटीसी	39	
				कुल	556	

अलवर में मोहर्रम जुलूस के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मारपीट

अलवर। राजस्थान में अलवर के शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में रविवार को मोहर्रम जुलूस के दौरान एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी से मारपीट का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैफिक पुलिसकर्मी प्रदीप कुमार अपने निजी वाहन से मौके से गुजर रहा था। इसी दौरान जुलूस में शामिल युवाओं ने उसकी गाड़ी में जमकर तोड़फोड़ करने के बाद उसे बाहर निकालकर उसके साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और प्रदीप को इलाज के लिए अलवर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटनास्थल के आसपास क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच पड़ताल की जा रही है। घायल पुलिस कर्मी के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कार और पिकअप से टक्कर, चार लोगों की मौत

बारां।राजस्थान में बारां जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को देर रात एक कार और पिकअप के बीच टक्कर होने से चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस उप अधीक्षक ओमेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को बताया कि देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर गजनपुरा, पैनोरमा के पास लखनऊ से राजस्थान में कोटा जा रही कार एक गड्ढे से बचने के प्रयास में कार अनियंत्रत होकर आगे जा रही एक पिकअप वाहन को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से चारों लोगों को निकाला। इनमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी थी, जबकि एक युवती ने कोटा में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शेखावत ने बताया कि मृतकों की पहचान नमन चतुर्वेदी (25), दिल्ली के राहुल प्रकाश (30), गोरखपुर की अंशिका मिश्रा (25) और लखनऊ की जय शर्मा (25) के रूप में हुई है।

बारिश के कारण छत ढही बच्चे की मौत

जयपुर।राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारी बारिश के कारण छत ढहने की दो घटनाओं में पांच वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छत ढहने की ये घटनाएं शनिवार रात हुईं। राजस्थान में कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की से भारी बारिश हुई। सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 214 मिमी बारिश सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में दर्ज की गई। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया।

राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति में कोताही बर्दाश्त नहीं : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शास्ति प्रक्रिया में सुधार लाने और इसे आवश्यकतानुसार सुसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर रोकथाम के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसके लिए पुलिस, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा खनन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रेशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विभागीय कार्मिक अपनी जिम्मेदारी का समर्पण भाव से निर्वहन करें तथा राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता अभिवृद्धि के क्रम में खनन विभाग की रिस्ट्रक्चरिंग करने और लंबे समय से विभाग में पदस्थापित कार्मिकों को स्थानांतरित के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया।

जानबूझकर छात्रा को फैल करने वाली व्याख्याता को निलंबित करने के निर्देश

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा जिले के मोड़क गांव की एक छात्रा की शिकायत पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोड़क की भौतिक विज्ञान की व्याख्याता सविता मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। दिलावर ने रविवार को मोड़क गांव की सोसाइटी गली में आयोजित मोहल्ला बैठक के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में स्थानीय निवासी एवं विद्यालय की 11वीं की छात्रा आयुषी कुमावत ने मदन दिलावर को शिकायत दी कि उनके विद्यालय में पुस्तकालय में पुस्तकों को लेकर उसके चाचा सुनील कुमावत और कक्षा शिक्षिका सविता मीणा के मध्य कुछ विवाद हो गया था।

इस विवाद के चलते बदला लेने की नीयत से शिक्षिका ने उसे कक्षा 11वीं की वार्षिक परीक्षा में जानबूझकर फेल कर दिया। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि इसकी शिकायत करने पर दोबारा जांच कराई गई तो सप्लीमेंट्री दी गई और 70.40 प्रतिशत अंक बनने के बावजूद उसे अनुत्तीर्ण दर्शाया गया जबकि उससे कमजोर विद्यार्थियों को पास कर दिया गया। इस पर शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी करने पर पता चला कि इस शिक्षिका के खिलाफ विद्यालय में अनेक शिकायतें हैं। जिसके चलते इसे पूर्व में एपीओ कर रखा है। परंतु यह कोर्ट से स्टे ले आई है।

दिलावर ने बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने वाली और उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वाली इस शिक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन किया समर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के प्रथम उद्योग मंत्री एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में डा मुखर्जी के अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रखर राष्ट्रवादी डा मुखर्जी एक विचारक ही नहीं बल्कि महान कर्मयोगी थे।

उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शर्मा ने कहा कि डा मुखर्जी का जीवन हमें राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है।

उनके आदर्श और सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

जनसुनवाई केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन की आधारशिला है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उत्तरदायी, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन की आधारशिला है, जिसमें नागरिकों की भागीदारी और विश्वास सर्वोपरि है। जनसुनवाई का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुँचाना है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का हरसंभव प्रयास है कि किसी भी व्यक्ति को प्रशासनिक जटिलताओं के कारण अनावश्यक परेशान न होना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवेदनाओं का समाधान शीघ्र, पारदर्शी और संतोषजनक तरीके से करें। राजकीय विद्यालय लुणावास चारणान के उच्च प्राथमिक विद्यालय का उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नयन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि अब हमारे गांव के बच्चों को उच्च अध्ययन के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा।

पटेल ने जनसुनवाई में राजस्व, शिक्षा, पंचायतीराज, डिस्कॉम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग,जोधपुर विकास प्राधिकरण और जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों पर सुनवाई कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन टला, पुलिस ने रोका जुलूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। दौसा में रविवार को अवैध धर्मांतरण के आरोपों के खिलाफ हिंदू समाज द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने अनुमति नहीं दी, जिससे तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। चाणक्य छात्रावास से मिशनरी चर्च, गणेशपुरा की ओर निकाले जा रहे जुलूस को पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया। इस कदम के खिलाफ लोगों ने पुलिस प्रशासन के रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए ज़ोरदार नारेबाज़ी की। पुलिस बल की अगुवाई डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा और कोतवाल सुधीर कुमार उपाध्याय कर रहे थे। वे जुलूस शुरू होने से पहले ही भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गणेशपुरा स्थित मिशनरी चर्च में लंबे समय से प्रार्थना के बहाने हिंदू समुदाय के भोले-भाले लोगों को बहकाकर उनका जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। बीते रविवार को भी ऐसी ही एक घटना के विरोध में चर्च परिसर के बाहर स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया था, जिसमें कथित रूप से पादरियों और चर्च के अन्य लोगों द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की गई थी। हालांकि पुलिस ने तत्काल पहुंचकर स्थिति को शांत कर दिया था।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, उलटे जब समाज ने आज शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का प्रयास किया, तो उसे रोक दिया गया। उनका यह भी कहना था कि यह घटना एकतरफा प्रशासनिक रवैये को दर्शाती है, जो न्याय की उम्मीद लगाए बैठे आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है।

जुलूस में शामिल होने पहुंचे कई संत, धर्मगुरु और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्यशैली पर नाराज़गी जताई।महामंडलेश्वर संतोष शास्त्री ने कहा, हम शांतिपूर्वक विरोध करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने हमें रोक दिया। क्या अब लोकतंत्र में विरोध की भी अनुमति नहीं है? पंडित राधेश्याम शर्मा ने सवाल उठाया कि अगर चर्च में धर्मांतरण हो रहा है, तो प्रशासन क्यों चुप है?मनोज राघव और सुशील शर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने जानबूझकर दबाव बनाकर हमें रोका, ताकि सच्चाई सामने न आ सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन के लिए प्रशासन से पूर्वानुमति नहीं ली गई थी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जुलूस को रोका गया।

ट्रक ने दो सब्जी विक्रेताओं को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर दो सब्जी विक्रेताओं की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात हुई, जब दोनों विक्रेता सब्जियों की एक खेप लेकर जा रहे थे और उनके वाहन का टायर पंचर हो जाने के कारण वे सड़क किनारे रुके थे। इसी दौरान आगरा की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। लखनपुर थाना क्षेत्र के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) राम सहाय ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के किरावली निवासी विष्णु कुमार और राजन सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि विष्णु कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राजन सिंह को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को पुनः प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए कृत संकल्पित है। विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुंचे, इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है।

टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाइल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्यों के शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है। विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था।

इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस व्यवस्था में सुधार के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है।

आमजन का विश्वास सुदृढ़ करने के लिए सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता के हो रहे प्रयास : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि सहकारिता के महत्व को समझते हुए उन्होंने 6 जुलाई, 2021 को सहकारिता मंत्रालय का गठन किया, जो देश में सहकारी आन्दोलन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक मील का पत्थर है। मंत्रालय के गठन के बाद विगत वर्षों में देश-प्रदेश में सहकारिता का महत्व काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सहकारी आन्दोलन को अधिक मजबूत करने के लिए हमें पैक्स स्तर तक संचालक मंडल को मजबूती प्रदान करनी होगी।

दक रविवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह सहकारिता का दायरा बढ़ाकर प्रत्येक आम आदमी को इससे जोड़ना चाहते हैं। मंत्रालय द्वारा 'सहकार से समृद्धि' योजना के अंतर्गत 61 पहलें क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनसे सहकारी क्षेत्र निरन्तर सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सहायता में कोई कमी नहीं रखी जा रही है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमें और अधिक प्रयास करते हुए सहकारिता का दायरा बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसके अंतर्गत केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा नई शाखाएं खोलने के साथ ही अकृषि ऋण वितरित करने की शुरूआत की जा सकती है। विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के तहत अधिक से अधिक गोदामों का निर्माण कर उन्हें किराये पर दिया जा सकता है।

एनसीसीएफ, नैफेड और एफसीआई जैसी संस्थाएं इन गोदामों को किराये पर लेने के लिए तत्पर हैं। दक ने सहकारी भूमि विकास बैंकों के ऋणी सदस्यों के लिए एकमुश्त समझौता योजना शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को पुनर्जीवित करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि योजना को लेकर उत्साह का माहौल है और अब तक लगभग 250 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है।

दक ने कहा कि नवीन पैक्स के गठन के मामले में राज्य देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में 300 पैक्स के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 850 यानि लगभग तीन गुना पैक्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष रही सभी ग्राम पंचायतों में 2 वर्ष में नवीन पैक्स गठित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन इसे एक वर्ष में ही पूरा करने के प्रयास किए जाएं। प्रत्येक पैक्स द्वारा न्यूनतम 5 एक्टिविटी आवश्यक रूप से संचालित की जाए। उन्होंने घाटे में चल रही कुछ प्रतिष्ठित सहकारी संस्थाओं को इससे उबारने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस संबंध में हमें आत्म विश्लेषण करने की जरूरत है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि लोगों का विश्वास सहकारी संस्थाओं पर और अधिक सुदृढ़ हो, इसके लिए उनमें पारदर्शिता लाए जाने तथा खामियों को दूर किए जाने की आवश्यकता है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। सहकारी समितियों की आमसभा आवश्यक रूप से सम्पन्न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी माह से प्रत्येक जिले का दौरा कर पैक्स के संचालक मंडल के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

राजस्थान सरकार रत्न-आभूषण उद्योग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के रत्न-आभूषण उद्योग को हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अभिन्न अंग बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार इसे हरसंभव सहायता और प्रोत्साहन प्रदान कर सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा शनिवार रात सीतापुरा स्थित जेईसीसी में ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर द्वारा आयोजित ज्वैलर्स एसोसिएशन शो-2025 के दूसरे दिन ज्वैलरी एमिनेंस अवार्ड्स समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर की कुंदन और मीनाकारी कला दुनियाभर में अपनी धाक जमा रही है।

विश्व में पाए जाने वाले ज्यादातर रंगीन रत्नों का व्यापार जयपुर से होकर ही गुजरता है। इसलिए हम जयपुर को 'विश्व की रत्न राजधानी' की उपाधि दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर विश्व के सबसे बड़े रत्न बाजारों में से एक है। यहां के कारीगर रत्नों को तराशने और उनकी गुणवत्ता को विश्वस्तरीय बनाने में माहिर हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को इस क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले जा सकते हैं। शर्मा ने कहा कि रत्न एवं आभूषण उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए, जिससे इस क्षेत्र का और अधिक विस्तार होगा और हमारी माताएं-बहनें आत्मनिर्भर बन सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश हरेक क्षेत्र में तेज गति से विकास कर रहा है और इस शो के माध्यम से देश का ज्वैलरी क्षेत्र भी देश के विकास के साथ कदम ताल मिला रहा है।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने इस वर्ष जेएएस में भाग लेने वाले 60 प्रदर्शकों को अनुदान स्वीकृत किया है, जो केंद्र सरकार के इस उद्योग के प्रति विश्वास और समर्थन का प्रतीक है।

वोटों में कंजूसी के बावजूद

भाजपा सरकार ने मुस्लिमों के विकास में कमी नहीं की : नकवी

प्रयागराज/भाषा। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को कहा कि मोदी-योगी या किसी भी राज्य की भाजपा सरकार ने मुसलमानों के विकास में कमी नहीं की, भले पार्टी को वोट देने में कंजूसी की गई हो। यहां भदारी गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुहर्रम कार्यक्रम में शामिल होने आए नकवी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, अब हमें (मुस्लिमों) भाजपा से राजनीतिक दूरी को खत्म करना होगा। उन्होंने कहा, भाजपा मुल्क की हकीकत है। इसे नजरअंदाज करना मुल्क और मुसलमानों के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है। भाजपा के प्रति पैदा किए गए भय-भ्रम के गटर पर भरोसे का शटर लगाना होगा। नकवी ने कहा कि आजादी के बाद पहली गैर-कांग्रेस सरकार है जो एक परिवार के सहारे और कांग्रेस के रिमोट के बगैर सुशासन, सफलता के कीर्तिमान स्थापित करती हुई काम कर रही है।

भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के बाद अपने संबोधन में कहा कि मुखर्जी एक प्रखर वक्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान शिक्षाविद थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने दावा किया कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में बनी देश की पहली सरकार में खाद्य एवं उद्योग मंत्री रहे मुखर्जी ने नेहरू सरकार की तुष्टीकरण के नीति के विरोध में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योगी ने कहा कि जब नेहरू सरकार ने संविधान में कश्मीर को अनुच्छेद 370 के जरिये अलग दर्जा देने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सबसे पहले मुखर्जी ने ही आवाज उठाई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुखर्जी ने उस समय एक देश में 'दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा दिया था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करके कश्मीर को भारत के संविधान के अनुरूप शेष भारत के साथ जोड़ते हुए 'एक विधान, एक प्रधान और एक निशान' के साथ देश लोकतांत्रिक धारा के साथ जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जम्मू-कश्मीर तेजी के साथ विकास कर रहा है और यह डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्पों की विजय है।

उत्तर प्रदेश के किसान 'गोवंश' को गोद ले सकेंगे, अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तर प्रदेश के किसान 'गोवंश' को गोद ले सकेंगे, अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के किसान 'गोवंश' को गोद ले सकेंगे, जिससे न केवल उसका (गोवंश मवेशियों का) संरक्षण होगा, बल्कि गो आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत किसानों को एक से चार तक गोवंश मवेशी सौंपे जाएंगे, जिनके माध्यम से वे आत्मनिर्भर बनेंगे। इस योजना के तहत जिन किसानों को गोवंश मवेशी मिलेगा, उनके आवासीय परिसर में ही मनरेगा के अंतर्गत व्यक्तिगत कैटल शेड (एक ऐसा स्थान विशेषकर गाय, भैंस आदि के लिए उपयोगी) बनाए जाएंगे। इससे किसानों को अपने पशुओं के रखरखाव के लिए अलग से स्थान उपलब्ध होगा। साथ ही, छोटी बायोगैस इकाई भी लगाई जाएंगी।

बयान के मुताबिक गो सेवा के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस नई पहल से बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ होगा और राज्य की अर्थव्यवस्था भी रफ्तार पकड़ेगी।

बंगाल में भी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराए निर्वाचन आयोग: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का रविवार को स्वागत करते हुए कहा कि इसी तरह की कवायद तृणमूल कांग्रेस शासित इस राज्य में भी की जानी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने बिहार में अयोग्य नामों को हटाने तथा सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने और उन्हें मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर प्रदान करने के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने का निर्देश जारी किया है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

अधिकारी ने बताया, ''यह एक अच्छा कदम है और इससे पारदर्शिता आएगी। देश में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने वाले अवैध प्रवासियों की पहचान की जानी चाहिए।'' भाजपा नेता ने कहा, ''जिन लोगों ने फर्जी आधार कार्ड और पहचान पत्र के जरिए नामांकन कराया है, उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाने चाहिए।'' निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा था कि बिहार के 7.96 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 87 प्रतिशत को राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए आधे भरे हुए गणना फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। अधिकारी ने पहले भी कई मौकों पर आरोप लगाया था कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों ने बंगाल की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने ऐसे घुसपैठियों की पहचान करने तथा मतदाता सूची से उनके नाम हटाने की मांग की थी।

जब जनता का विरोध सामने आता है तो भाजपा पीछे हट जाती है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भाजपा पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए बिहार के लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य के मतदाता ''लोकतंत्र और संविधान पर हमले'' के लिए भाजपा को सबक जरूर सिखाएंगे।

खरगे ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एक नये विज्ञापन का हवाला दिया, जिसमें बिहार के मतदाताओं से एसआईआर के तहत केवल एक फॉर्म भरने का आग्रह किया गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि ''जब जनता का विरोध सामने आता है, तो भाजपा बड़ी चालाकी से कदम पीछे खींच लेती है''। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''निर्वाचन आयोग के सहयोग से भाजपा ने बिहार में करोड़ों लोगों के मतदान का अधिकार छीनने का जो 'मास्टर प्लॉन' बनाया था, उसमें अब भाजपा खुद फंसती नजर आ रही है।'' उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा, ''जो लोग चुनाव में लगातार मतदान करते रहे हैं, उनसे मतदान के लिए दस्तावेज दिखाने को क्यों कहा जा रहा है?''खरगे ने आरोप लगाया, ''गरीब, कमजोर, वंचित, दलित, पीड़ित, पिछड़े लोगों का जबरन मताधिकार छीनना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का षड्यंत्र है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि एसआईआर के कारण लगभग आठ करोड़ लोग प्रभावित होंगे।

पहचान छिपाकर व्यवसाय करना हर दृष्टि से गलत : स्वामी रामदेव

हरिद्वार/भाषा। कांवड़ यात्रा मार्ग पर खान-पान की दुकानों पर अपना नाम प्रदर्शित किये जाने का समर्थन करते हुए योग गुरु बाबा स्वामी रामदेव ने रविवार को कहा कि पहचान छिपाकर व्यवसाय करना हर दृष्टि से गलत है।

रामदेव ने यहां कहा कि उन्हें अपने हिंदू और सनातनी होने पर गर्व है, ठीक उसी तरह मुसलमानों को भी अपने मुसलमान होने पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने पूछा, ''आखिर क्या वजह है कि मुसलमान नाम छिपाकर कांवड़ यात्रा में व्यवसाय कर रहे हैं। पहचान छिपाना नैतिक और धार्मिक, हर दृष्टि से गलत है।'' रामदेव ने कहा कि यह तो ग्राहक को तय करना है कि वह किसकी दुकान पर जाएं ।

उन्होंने कहा,''मुझे जैसे हिन्दू और सनातनी होने पर गर्व है उसी तरह से मुसलमानों को भी मुसलमान होने पर गर्व होना चाहिए।'' रामदेव ने कहा कि उनके (मुसलमानों के) भी पूर्वज हिंदू थे । महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों के साथ मारपीट किये जाने को योग गुरु ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रभाषा के साथ मराठी एवं अन्य भाषाओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन भाषा, जाति, वर्ग संप्रदाय एवं लिंग के आधार पर हिंदुओं को आपस में नहीं लड़ना चाहिए । उन्होंने कहा, ''इससे सनातन, राष्ट्रीय अखंडता और एकता को क्षति पहुंचती है। हम सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए।''

गडकरी ने मौजूदा परिदृश्य में 'विश्व युद्ध' का खतरा जताया

महाशक्तियों की तानाशाही की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यहां 'बियॉन्ड बॉर्डर्स' पुस्तक के विमोचन के अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है। युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति मानवता की रक्षा करना भी कठिन बना रही है। गडकरी ने कहा, ''इजराइल और ईरान के साथ-साथ रूस और यूक्रेन में युद्ध के बीच दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। स्थिति ऐसी है कि इन दो युद्धों की पृष्ठभूमि में कभी भी विश्व युद्ध होने की आशंका है।'' गडकरी ने कहा कि उन्नत तकनीक के कारण युद्ध के आयाम बदल गए हैं, मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे टैंक और अन्य प्रकार के विमानों की प्रासंगिकता कम हो रही है।

शारीरिक अभ्यास करते समय 'जिम ट्रेनर' ने की छात्रा के साथ छेड़छाड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा (उप्र)/भाषा। ग्रेटर नोएडा में बिसरख कोतवाली क्षेत्र की चेरी काउंटी सोसाइटी में शनिवार को 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ करने पर एक 'जिम ट्रेनर' को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी (सेंट्रल नोएडा) दीक्षा सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट चेरी काउंटी सोसाइटी के क्लब हाउस में शनिवार सुबह 11वीं कक्षा की एक छात्रा जिम में शारीरिक अभ्यास करने गई थी तथा 'जिम ट्रेनर' ने उसके साथ छेड़छाड़ की।

उन्होंने बताया कि छात्रा ने घर पर परिजनों को इस घटना के बारे में बताया जिसके बाद उसके पिता ने बिसरख कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी।

सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी (सेंट्रल नोएडा) दीक्षा सिंह सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है तथा पुलिस ने 'जिम ट्रेनर' को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बिहार में राजग के शासनकाल में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है: तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शासन में राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है औरपिछले कुछ दशकों में राज्य में '65,000 हत्याएं' हुई हैं।

कथित तौर पर भाजपा से जुड़े खेमका की शुक्रवार रात 11:40 बजे गांधी मैदान इलाके में अपने घर के बाहर कार से उतरते समय एक अज्ञात हथियारबंद हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी। तेजस्वी ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा, बिहार की ध्वस्त कानून व्यवस्था व बेलगाम भ्रष्टाचार पर भी अगर किसी को गुस्सा नहीं आ रहा तो समझो उस इंसान का न्यायिक चरित्र एवं मानवीय संवेदना मर चुकी है। आपका जात-धर्म के नाम पर सरकार की विफलताओं एवं जनभावनाओं को नजरअंदाज करना बिहार और बिहारियों के लिए घातक है। राजग के शासन में अब तक 65,000 हत्याएं हो चुकी है फिर भी मंगलराज है।

घरों में दूध पहुंचाने से पहले थूकने का आरोपी पुलिस हिरासत में

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विभिन्न इलाकों में घरों में दूध पहुंचाने से पहले उसमें कथित तौर पर थूकने के आरोपी दूधिया को रविवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान मोहम्मद शरीफ उर्फ पप्पू के रूप में हुई है, जो लखनऊ के मल्हौर का निवासी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार शरीफ कई सालों से इलाके के कई घरों में दूध पहुंचा रहा था।

शरीफ का यह कथित कृत्य तब प्रकाश में आया जब गोमती नगर के विनय खंड निवासी लव शुक्ला ने शनिवार सुबह सीसीटीवी फुटेज देखी और पाया कि शरीफ दूध पहुंचाने से पहले उसमें थूक रहा था। शुक्ला ने तुरंत गोमती नगर थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) बृजेश तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया ,''आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। उससे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। आगे की कार्रवाई जारी है।''

यह घटना पिछले साल हुई ऐसी ही घटनाओं से मेल खाती है, जिसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सितंबर में निर्देश जारी किए थे।

मौसम की मार से ईंट भट्टा मजदूरों की आजीविका प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़/बुलंदशहर/भाषा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में ईंट भट्ठा मजदूर इस बार मौसम की मार से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

ननौ गांव की रामवती ने बताया कि उन्होंने और उनके पति ने दो दिनों में लगभग 1,600 ईंटें बनाई थीं, लेकिन अचानक हुई हल्की बारिश ने उनकी मेहनत को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा, बस एक बार बारिश हुई और पूरा हफ्ते का काम खत्म! मार्च से जून तक का मौसम ईंट भट्ठों पर काम करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस दौरान तेज धूप में ईंटें अच्छी तरह सूखती हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों से बारिश और ओलावृष्टि ने इस मौसम को भी बिगाड़ दिया है। बुलंदशहर के भट्ठा सुपरवाइजर रमेश सिंह के अनुसार, मई और जून में मुश्किल से 15-20 दिन ही तेज धूप निकली।

बिहार, छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए हजारों प्रवासी मजदूर इस उद्योग के मुख्य श्रमिक हैं। बिहार के मधुबनी के रहने वाले भट्ठा मजदूर सरोज ने कहा, हम तीन दिन से लगातार काम कर रहे थे, तभी बारिश आ गई। सारी मेहनत पानी में बह गई। अब भट्ठा मालिक से चावल उधार लेना पड़ रहा है। हम मजदूरी करके चुका देंगे, लेकिन इससे घर भेजने के लिए कम पैसा बचेगा। मजदूर अधिकार मंच के महासचिव रमेश श्रीवास्तव ने बताया, जब बारिश हो जाती है, तो गीली ज़मीन पर काम नहीं किया जा सकता। मिट्टी को फिर से काम करने लायक बनने में कम से कम चार दिन लगते हैं। इसका असर करीब एक हफ्ते तक रहता है।

मजदूरों को प्रति 1,000 ईंटों पर लगभग 676 रुपए मिलते हैं, लेकिन असलियत में कई बार उन्हें इससे भी कम भुगतान किया जाता है।

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन समिति के संयोजक निर्मल गोरणा ने कहा, अक्सर मजदूरों को 500 रुपए या उससे भी कम दिया जाता है। अगर बारिश से ईंटें खराब हो जाएं, तो मजदूरों को कोई भुगतान नहीं मिलता।

शुभमन गिल की बल्लेबाजी में विराट कोहली की झलक : ट्रॉट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्मिंघम/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट खुद को भाग्यशाली मानते है कि उन्हें एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दोहरा शतक और दूसरी पारी में शतक लगाते हुए देखने का मौका मिला। उन्हे गिल की इन पारियों में भारतीय दिग्गज विराट कोहली की झलक दिखी।

गिल ने भारत की दोनों पारियों में 269 और 161 रन बनाए। वह टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में इंग्लैंड के कप्तान ग्राहम गूच के बाद दूसरे स्थान पर है। गिल ने दोनों पारियों में मिलाकर 430 रन बनाये हैं।

ट्रॉट ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, '' उसने आज साबित किया कि वह कितना पूर्ण बल्लेबाज है। इसने मुझे उनसे पहले नंबर चार पर बल्लेबाजी करने वाली भारतीय की याद दिला दी। गिल उस प्रतिभा की 'कार्बन कॉपी' दिखे। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने इस दौरे पर अपने पहले दो टेस्ट मैचों की इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना की होगी। वह बेशक हेडिंग्ले में जीतना पसंद करते, लेकिन अब उन्होंने यहां एक शानदार जीत की नींव रख दी है।''

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के इस मौजूदा कोच ने कहा, ''मैं यहां मौजूद रहने और इस पारी को देखने को लेकर खुद का भाग्यशाली समझता हूं। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई भी मौका नहीं दिया। उन्होंने जिस से अपनी पारी को गति दी और बिना आड़े-तिरछे शॉट खेले मनमुताबिक छक्के जड़े वह काफी खास था।''

मुझे शुभमन गिल से काफी प्रेरणा मिली : वैभव सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं।

सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, ''मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।'' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, ''मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।'' सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।''

सुविचार

राधा का प्रेम तो जैसे नदी की बेकाबू धार, कृष्ण वही साहिल, जो थामे उसे हर बार।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंदिर और सामाजिक उत्थान

केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंदिरों में गौशाला, सनातन धर्म की शिक्षा देने वाले संस्थान और चिकित्सालय स्थापित किए जाने का सुझाव देकर सर्वसमाज के कल्याण के लिए बहुत गहरी बात कही है। मंदिर मुख्यत: पूजा-अर्चना के स्थान हैं। ये सामाजिक उत्थान के कार्यों में अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। मंदिरों के साथ गौशालाएं होंगी तो किसानों को फायदा होगा। अब तो कई वैज्ञानिक प्रयोगों से यह तथ्य सामने आ चुका है कि गोबर की खाद जमीन को न सिर्फ उपजाऊ बनाती है, बल्कि वह उसकी गुणवत्ता भी सुधारती है। उस धरती की उपज मानव एवं पशु धन के स्वास्थ्य की रक्षा करती है। आज अत्यधिक विषैले रसायनों और कीटनाशकों के प्रयोग से धरती बंजर होती जा रही है। उसकी उपज का स्वाद बदल गया है। उसमें विष का अंश पाया जाता है, जिससे गंभीर बीमारियां हो रही हैं। स्व. राजीव दीक्षित ने अपने विभिन्न व्याख्यानों में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया था और किसानों को वैज्ञानिक तरीके से गोबर की खाद बनाने का तरीका भी समझाया था। पश्चिमी प्रभाव के कारण भारत में गोबर, गौमूत्र और प्राकृतिक कीटनाशकों का बहुत मजाक उड़ाया गया था। इनकी जगह खतरनाक रसायनों की पैरवी की गई थी। आज दुनिया जान चुकी है कि गोबर, गौमूत्र और प्राकृतिक कीटनाशक धरती को उपजाऊ बनाते हैं। अगर इनका वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग किया जाए तो खेती की लागत घटेगी, उपज बढ़ेगी। हमारे मंदिरों में पर्यावरण के रक्षक बनने की शक्ति एवं सामर्थ्य है। यहां प्रसाद के साथ आम, नींबू, नीम, आंवला, तुलसी जैसे पौधों का वितरण किया जा सकता है। मंदिरों के सोशल मीडिया समूहों में बागवानी के तरीके बताए जा सकते हैं।

मंदिरों में सनातन धर्म की शिक्षा देने वाले संस्थान जरूर होने चाहिएं। प्राय: किशोरों और युवाओं के मन में धर्म को लेकर कई सवाल होते हैं। उन्हें अपने घर-परिवार में संतोषजनक जवाब नहीं मिलते। वहीं, देश में ऐसे कई गिरोह चल रहे हैं, जिनका काम ही ऐसे बच्चों को बरगलाना होता है। वे उनके दिलो-दिमाग में सनातन धर्म के खिलाफ बातें भर देते हैं। हाल के वर्षों में ऐसे कितने ही मामले सामने आए हैं, जिनमें हिंदू परिवारों की बेटियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण कराना पाया गया। सोशल मीडिया ऐसे मामलों से भरा पड़ा है। इन्हें सख्त कानून बनाकर कुछ हद तक रोका जा सकता है, लेकिन यह पुख्ता समाधान नहीं होगा। अपने बच्चों को धर्म की शिक्षा देकर ही ऐसे गिरोहों से बचा सकते हैं। मंदिरों में चिकित्सालय की सुविधा भी होनी चाहिए। वहां विशेषज्ञ डॉक्टरों को बुलाना चाहिए। देश में ऐसे अनेक सेवाभावी डॉक्टर हैं, जो आने के लिए खुशी-खुशी तैयार हो जाएंगे। आज जीवन शैली संबंधी बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। लोगों की दिनचर्या प्रकृति के विरुद्ध होती जा रही है। आहार में हानिकारक पदार्थों की मात्रा बढ़ती जा रही है। अत्यधिक चटपटे, तीखे और गरिष्ठ पदार्थ सेहत को बिगाड़ रहे हैं। लोगों को मंदिर में भगवान के दर्शन करने के बाद आयुर्वेद विशेषज्ञ यह समझाएं कि शरीर भी एक मंदिर है, जिसमें परमात्मा के अंश (आत्मा) का वास है। अगर यह बताया जाए कि किस ऋतु में कौनसी वनस्पति, कौनसे पदार्थ का सेवन करने से शरीर स्वस्थ रहेगा, तो लोग इस ओर जरूर ध्यान देंगे। इससे वे कई बीमारियों से सुरक्षित रहेंगे। हमारे आस-पास ही इतनी वनस्पतियां होती हैं, जिनकी सही जानकारी हो तो व्यक्ति काफी स्वस्थ रह सकता है। मंदिरों के माध्यम से इस क्रांति का मार्ग प्रशस्त होना ही चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संसद के केंद्रीय कक्ष में पूर्व केंद्रीय मंत्री, महान शिक्षाविद एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता स्वर्गीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र की एकता में उनके अतुलनीय योगदान को राष्ट्र सदैव कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता रहेगा।

-ओम बिरला

पराक्रमी योद्धा 'आमेर नरेश' महाराजा मानसिंह जी प्रथम की पुण्यतिथि पर आज सिटी पैलेस में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। महाराजा मानसिंह भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को सहेजने वाले महान शासक भी थे।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

रूप या गुण

सम्राट चंद्रगुप्त ने एक दिन अपने प्रतिभाशाली मंत्री चाणक्य से कहा- कितना अच्छा होता कि तुम अगर रूपवान भी होते। चाणक्य ने उत्तर दिया, महाराज रूप तो मृगतृष्णा है। आदमी की पहचान तो गुण और बुद्धि से ही होती है, रूप से नहीं। क्या कोई ऐसा उदाहरण है जहाँ गुण के सामने रूप फीका दिखे। चंद्रगुप्त ने पूछा। ऐसे तो कई उदाहरण हैं महाराज, चाणक्य ने कहा, पहले आप पानी पीकर मन को हल्का करें बाद में बात करेंगे। फिर उन्होंने दो पानी के गिलास बारी बारी से राजा की ओर बढ़ा दिये। महाराज पहले गिलास का पानी इस सोने के घड़े का था और दूसरे गिलास का पानी काली मिट्टी की उस मटकी का था। अब आप बताएँ, किस गिलास का पानी आपको मीठा और स्वादिष्ट लगा।

सम्राट ने जवाब दिया- मटकी से भरे गिलास का पानी शीतल और स्वदिष्ट लगा एवं उससे तृप्ति भी मिली। वहाँ उपस्थित महारानी ने मुस्कुराकर कहा, महाराज हमारे प्रधानमंत्री ने बुद्धिचातुर्य से प्रश्न का उत्तर दे दिया। भला यह सोने का खूबसूरत घड़ा किस काम का जिसका पानी बेस्वाद लगता है। दूसरी ओर काली मिट्टी से बनी यह मटकी, जो कुरूप तो लगती है लेकिन उसमें गुण छिपे हैं। उसका शीतल सुस्वादु पानी पीकर मन तृप्त हो जाता है। आब आप ही बतला दें कि रूप बड़ा है अथवा गुण एवं बुद्धि?

सामयिक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : नवाचार की उड़ान या बौद्धिक चोरी का यंत्र?

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

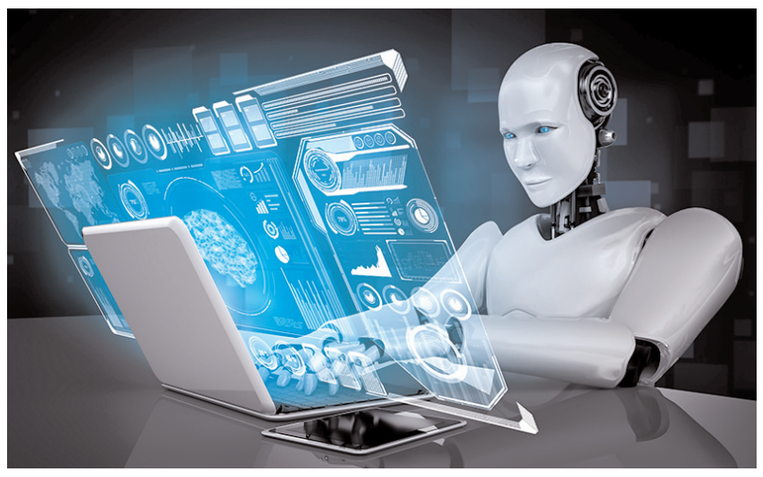

इक्कीसवीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी छलांगों में से एक है जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता - यानी ऐसा कंप्यूटर मस्तिष्क जो कहानी से लेकर समाचार रिपोर्ट, चित्र से लेकर कविता, और अदालत के निर्णय से लेकर संवाद तक खुद रच सकता है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि इस मशीनी रचनात्मकता की नींव क्या किसी और की मेहनत पर टिकी है? क्या यह नई तकनीक रचनाकारों, लेखकों, पत्रकारों, चित्रकारों और संगीतकारों की बनाई सामग्रियों को चुपचाप अपने ज्ञान का हिस्सा बना रही है - बिना उनकी अनुमति, बिना कोई श्रेय दिए? हाल ही में अमेरिका की दो अदालतों में ऐसे ही मामलों पर निर्णय हुआ। इन फैसलों ने फिलहाल तकनीकी कंपनियों को राहत दी है, पर यह विषय अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। इन फैसलों ने पूरी दुनिया में बहस छेड़ दी है और भारत भी इससे अछूता नहीं है।

जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले मॉडल, जैसे कि ओपनएआई का चैटजीपीटी या मेटा का लामा, करोड़ों पुस्तकों, वेबसाइटों, गीतों, समाचारों और चित्रों का अध्ययन करके प्रशिक्षित किए जाते हैं। इनका प्रशिक्षण इस तरह होता है जैसे कोई छात्र पुस्तकें पढ़कर ज्ञान प्राप्त करता है, लेकिन यह छात्र उस पुस्तक को पढ़ने से पहले लेखक से न अनुमति लेता है, न ही लेखक को श्रेय या पारिश्रमिक देता है। यही से विवाद आरंभ होता है। वर्ष 2024 में अमेरिका में पहला मामला आया जिसमें कुछ उपन्यासकारों ने कंपनी 'एंथ्रॉपिक' पर आरोप लगाया कि उसने उनकी पुस्तकों का उपयोग अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया। लेखकों का कहना था कि यह उनकी बौद्धिक संपदा का उल्लंघन है। परंतु अदालत ने निर्णय दिया कि यह मॉडल जो नई सामग्री उत्पन्न कर रहा है, वह मूल रचना से अलग, नया और परिवर्तित है। इसलिए यह 'उचित प्रयोग' की श्रेणी में आता है और कंपनी को अपराधी नहीं माना जा सकता। दूसरे मामले में कंपनी मेटा पर साहित्य और पत्रकारिता सामग्री को बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप था। अदालत ने माना कि कंपनी ने सचमुच संरक्षित रचनाएं पढ़ी थीं, लेकिन उसका उद्देश्य कुछ नया सीखना और बनाना था, इसलिए इसे भी 'परिवर्तनकारी उपयोग' मानते हुए मेटा को दोषमुक्त कर दिया गया। इन दोनों फैसलों से एक संदेश यह गया कि न्यायालय फिलहाल तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन लेखक समुदाय और बौद्धिक श्रमिकों के मन में यह सवाल घर करता जा रहा है कि यदि यह 'उचित प्रयोग' है, तो उनकी मेहनत, मौलिकता और अधिकारों का क्या? अब दृष्टि भारत की ओर मोड़ते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने वर्ष 2024 में ओपनएआई पर आरोप लगाया कि उसके संवाद आधारित मॉडल (जैसे चैटजीपीटी) उनकी समाचारों की भाषा, शैली और विषय-वस्तु की हूबहू नकल कर रहा है। इसके अलावा प्रकाशक संघों ने भी आरोप लगाए कि भारत में कॉपीराइट पंजीकरण की अनदेखी कर इन एआई कंपनियों ने भारतीय सामग्री का व्यावसायिक दोहन किया। ओपनएआई का पक्ष यह था कि वह भारत में न तो अपने सर्वर चलाता है, न ही उसका कोई स्थायी कार्यालय है। उसका तर्क था कि उसकी तकनीक कुछ नया, परिवर्तित और जनहित में उपयोगी सामग्री तैयार करती है और यह बौद्धिक चोरी नहीं कहलाती।

यह मामला अब दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन है, और इसकी सुनवाई जुलाई के पहले सप्ताह में निर्धारित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत में अब यह बहस न्यायिक गलियारों में पहुंच चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या भारत का मौजूदा बौद्धिक संपदा कानून इस नई तकनीकी चुनौती के लिए तैयार है? 1957 में बनाए गए कॉपीराइट अधिनियम में उचित प्रयोग' की धारणा है, पर उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे मामलों की स्पष्ट व्याख्या नहीं है। ना ही भारत में ऐसा तंत्र है जो यह जांच सके कि कोई एआई मॉडल प्रशिक्षण के लिए किन सामग्रियों का उपयोग कर रहा है और वे सामग्री कॉपीराइट के अंतर्गत आती हैं या नहीं।आज लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतकार, फोटोग्राफर और पत्रकार यह महसूस कर रहे हैं कि उनका सृजन कार्य मशीनों के पेट में डाला जा रहा है, और बदले में उन्हें न कोई श्रेय मिल रहा है, न ही पारिश्रमिक। यह न केवल कानूनी बल्कि नैतिक चिंता का विषय है। इस विषय पर बहस यह नहीं है कि तकनीक को रोका जाए। नवाचार और प्रौद्योगिकी की प्रगति आवश्यक है, लेकिन वह प्रगति ऐसी न हो जो मानवीय रचनात्मकता को निगल जाए। अगर कोई लेखक दस वर्षों की मेहनत से एक उपन्यास रचता है, और कोई मशीन दो सेकंड में उसकी शैली की नकल करके नया 'उत्पाद' बनाती है, तो यह न तो न्यायसंगत है, न ही सम्मानजनक। न्यायालयों की जिम्मेदारी अब केवल यह नहीं रह गई कि वे कंपनियों और व्यक्तियों के बीच विवाद सुलझाएं, बल्कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य का तकनीकी विकास समान रूप से सभी के हित में हो। केवल पूंजी और तकनीक के सहारे अगर किसी का बौद्धिक श्रम मुफ्त में हड़पा जा रहा है, तो वह लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों का उल्लंघन है। भारत को चाहिए कि वह अपने कॉपीराइट कानूनों की पुनर्रचना करे - विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग के अनुरूप। ऐसी व्यवस्था बने जिसमें रचनाकारों की रचनाओं को यदि तकनीक द्वारा उपयोग किया जा रहा है तो उन्हें उसका पारिश्रमिक मिले, उनके नाम का उल्लेख हो, और उनकी अनुमति अनिवार्य हो। यह केवल न्याय की बात नहीं है, यह साहित्य, संस्कृति और रचनात्मकता की रक्षा की बात है। यदि हम अपने समय के रचनाकारों की अनदेखी करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ तकनीक तो पाएंगी - पर संवेदना नहीं, आत्मा नहीं। मशीनों को दी उड़ान, पर कलम से छीना आसमान, बिना श्रेय के ज्ञान अगर, तो कैसा विज्ञान?

मुद्दा

पेड़ पौधों से मिलती है जीवनदायी आक्सीजन

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

देशभर में मानसूनी बारिश से पेड़, पौधे और जंगल को नवजीवन मिला है। सर्वत्र हरियाली छाने से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट देखी जा रही है। यह वह समय है जब हम पेड़ पौधे लगाकर देश को हराभरा बना सकते है। बताया जाता है एक वृक्ष अपने पूरे जीवन में हर तरह से मनुष्य के काम आता है। भोजन प्रदान करने, छाँव देने, घर बनाने को लकड़ी देने से लेकर सांसे लेने के लिये जीवनदायिनी ऑक्सीजन भी देता है। पेड़ पौधों को लेकर कई प्रकार के शोध होते रहते है। हर शोध में पेड़ पौधों को जीवनदाई बताया जाता है। हाल ही एक शोध रिपोर्ट में बताया गया की पेड़ पौधे बेहद संवेदनशील होते है। शोर से पेड़ पौधे मुरझा जाते है और उनकी ग्रोथ पर बुरा असर पड़ता है। मानसून के आते ही लोगों के समक्ष यह दुविधा बन जाती है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए हितकारी हो। औषधीय पौधें इम्युनिटी बढ़ाने के साथ हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते है। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दवाओं का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मगर अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते। फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों को भोगते हुए जैसे तैसे अपने जीवन की गाड़ी को हांकते है। अपने घरों पर औषधीय पौधे लगाएं तो ये हमें प्राण वायु तो देते ही है साथ ही स्वस्थ जीवन की राह भी दिखाएंगे।

पेड़-पौधे हमारे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। प्राचीन काल में मानव ने तरह-तरह के पेड़-पौधों की खोज कर खुद को निरोगी रखा। मानव सभ्यता के विकास के साथ विज्ञान ने हमें नयी नयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर औषधीय पौधों की महत्ता कभी कम नहीं हुई। भारत में औषधीय गुण वाले असंख्य पेड़-पौधे हैं। भारतीय पुराणों, उपनिषदों, रामायण एवं महाभारत जैसे प्रमाणिक ग्रंथों में इसके उपयोग के अनेक साक्ष्य मिलते हैं। रामायण में संजीवनी बूटी की चर्चा आज भी घर घर में सुनी जा सकती है। बहुत सारी अंग्रेजी दवाइयों में आज भी औषधीय पौधों का मिश्रण किया जाता है। सर्दी, जुकाम, बुखार, बीपी, शुगर, उलटी दस्त जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों का इलाज भी हमारे औषधीय पौधों में है। यदि इन पेड़ पौधों का हम उचित रखरखाव कर विभिन्न रोगों के इलाज में सही ढंग से उपयोग करें तो ये हमारे स्वस्थ जीवन के लिए बेहद लाभदायक हो सकते है।

वनस्पतियां आक्सीजन देकर हमें जीवन प्रदान करती हैं। बिना आक्सीजन के हम जीवित रह ही नहीं सकते और पेड़-पौधे यही जीवनदायिनी आक्सीजन छोड़ते हैं। एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। वे हमारे द्वारा छोड़ी गई विषैली गैस कार्बन-डाइ-आक्साइड को ग्रहण करते हैं। कुछ पौधे ऐसे भी होते हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पीपल, नीम, तुलसी, एलोवेरा, एक्समस कैक्टस, सर्पेन्टाइल (स्नेक प्लांट), आर्चिड्स, आरेंजग्रेवेरा आदि ऐसे पेड़-पौधें हैं जो रात में भी आक्सीजन छोड़ते हैं। पेड़-पौधे न रहें तो जिन्दा रहने के लिए साँस और जीवन की धड़कन ही बन्द हो जायेगी। अब भी समय है हम समझे और समझाए की पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए कितने अहम और प्राणदायक है।

पेड़ पौधों और वनों से हमें एक नहीं अपितु अनेकों लाभ है। वन और जीवन दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। वनों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है और मनुष्य और अन्य किसी भी प्राणी का जीवन ऑक्सीजन के बिना नहीं चल सकता। वृक्ष और वन भू-जल को भी संरक्षित करते हैं। जैव-विविधता की रक्षा भी वनों की रक्षा से ही संभव है। विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए बहुमूल्य वनौषधियां हमें जंगलों से ही मिलती हैं। दुनिया में जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास और आधुनिक जीवन शैली की वजह से प्राकृतिक वनों पर मानव समाज का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसे ध्यान में रखकर मानव जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से वनों के संतुलित दोहन तथा नये जंगल लगाने के लिए भी विशेष रूप से काम करने की जरूरत है। मनुष्य के जीवन में वन महत्वपूर्ण रहे हैं। परन्तु जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ वैसे-वैसे मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृक्षों को काटना आरम्भ कर दिया। वनों की लगातार कटाई होती गई और वातावरण पर भी इसका प्रभाव पड़ा। आज हमारी स्थिति यह हो गई है की वृक्षों की छांव मिलनी भी दुर्लभ हो गई है।

नजरिया

झारखण्ड का एक अनोखा जंगली मशरूम पुटू

अशोक प्रवृद्ध

झारखण्ड और छतीसगढ़ की सीमावर्ती जिलों के वनों, जंगलों में वर्षा ऋतु के प्रारम्भिक काल में स्वतः ही उगने, निकलने वाली पुटू नामक मशरूम के इस वर्ष कमोत्पति अर्थात कम उपज के कारण लोग इसके प्राकृतिक, असली और बेहतरीन स्वाद से वंचित होकर रह गए हैं। लोग मजबूरी में घरों में मशरूम की खेती से उत्पादित पुटू के व्यंजनों में उस जानी-पहचानी, सदियों से आनुवंशिकी में बसी पुटू के स्मरणीय स्वाद को ढूँढने को विवश हैं। विगत वर्षों में पुटू को खोज व उसे पाकर जमीन से खोदकर निकाल, संग्रहण करने के लिए लोग प्रातः काल ब्रह्म बेला में ही घर से पैदल अथवा अपने वाहनों से दूर-दूर के जंगलों तक निकल पड़ते थे, और सुबह से शाम तक इस कार्य में तल्लीन रहते थे, लेकिन इस वर्ष पुटू अर्थात रुगड़ा की अनुपलब्धता के कारण जंगलों में इसको ढूंढने वाले लोग भी विगत वर्षों की अपेक्षा कम ही दिखाई देते हैं, बल्कि दिखलाई ही नहीं दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु में जंगलों में कई प्रकार के मशरूम उगते हैं। इन मशरूमों का उपयोग खाने में किया जाता है और ये अपने अनोखे स्वाद और महत्वपूर्ण खनिज व पोषक तत्वों के लिए जाने जाते हैं। झारखण्ड और छतीसगढ़ की सीमाओं के जंगलों में वर्षा ऋतु के आरंभ में वनों में, जंगलों में उगने वाले अनेक मशरूमों में से एक ऐसा ही मशरूम है- पुटू, जो वर्षा ऋतु में जंगलों में उगने वाले कई प्रकार के अन्य मशरूमों से अनेक रूपों में भिन्न है।

खाने के लिए उपयोग में लाया जाने वाला यह मशरूम अपने अनोखे स्वाद और पोषक तत्वों के लिए लोकप्रिय हैं । झारखण्ड के जंगलों में पाया जाने वाला यह वन्य मशरूम पुटू अथवा रुगड़ा एक मौसमी मशरूम है, जो वर्षा ऋतु में उगता है। रुगड़ा या पुटू का उपयोग स्थानीय व्यंजनों में किया जाता है और यह अपने अनोखे स्वाद और पोषक तत्वों के लिए जाना जाता है। यह चावल और रोटी के साथ ही विभिन्न प्रकार के स्थानीय व्यंजनों के साथ चाव से खाया जाता है। पुटू को स्थानीय भाषा में रुगड़ा भी कहा जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसे गुच्छी, मोरछी भी कहा जाता है। क्षेत्रीय भाषा में इसके विभिन्न नाम हैं। झारखण्ड प्रदेश और देश के अन्य क्षेत्रों में वन्य मशरूमों के नाम विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अलग-अलग हैं। नागपुरी, संथाली, हो, मुंडारी, कुड़ुख आदि झारखण्ड के स्थानीय भाषाओं में पुटू मशरूम के कई नाम हैं। इसे सादरी व नागपुरी में पुटू, रुगड़ा, गुच्छी या गुच्ची, संथाली, मुंडारी व हो भाषा में गुच्ची या गुचुम, कुड़ुख में गुच्ची या खुखुरु (खुखरी) कहा जाता है। पुटू के इन नामों में भिन्नता हो सकती है और विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों का उपयोग किया जा सकता है।

झारखण्ड के जंगलों में पाया जाने वाला यह वन्य मशरूम पुटू अथवा रुगड़ा एक मौसमी मशरूम है जो वर्षा ऋतु में उगता है। वर्षा ऋतु के शुरुआती काल में जंगलों में स्वतः ही उगने वाली इस मशरूम की अनेक विशेषताएं हैं। पुटू का आकार गोलाकार या अंडाकार होता है। इसका रंग सफेद या हल्का भूरा होता है। यह उगने के अंतिम दौर में काला रंग का भी हो जाता है। पुटू का स्वाद अनोखा और स्वादिष्ट होता है।

यह एक मौसमी मशरूम है जो वर्षा ऋतु के अतिरक्त अन्य समय में नहीं उगता है। झारखण्ड के आदिवासी- गैर आदिवासी सदान समुदायों में यह मशरूम एक महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत है। इसका उपयोग सब्जी, सूप, और सलाद आदि विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में किया जा सकता है। पुटू का स्वाद अनोखा और स्वादिष्ट होता है, जो इसे स्थानीय व्यंजनों में एक लोकप्रिय घटक बनाता है। पुटू एक पौष्टिक मशरूम है, जिसमें शरीर के लिए आवश्यक प्रोटीन, पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद फाइबर, विटमिन बी व डी, पोटेशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और कॉपर जैसे महत्वपूर्ण खनिज व पोषक तत्व होते हैं। पुटू में विटामिन और खनिज होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। कुछ अनुसंधानों के अनुसार पुटू में उपलब्ध एंटीऑक्सीडेंट गुण कैंसर से बचाव में मदद करते हैं। शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं। इन पोषक तत्वों और खनिजों के कारण रुगड़ा एक स्वस्थ और पौष्टिक खाद्य विकल्प हो सकता है। पुटू का स्वाद अनोखा और स्वादिष्ट होता है, जो इसे स्थानीय व्यंजनों में एक लोकप्रिय घटक बनाता है। यह सब्जी व सलाद के रूप में एक स्वादिष्ट और पौष्टिक तथा पेय पदार्थ के रूप में एक आरामदायक और पौष्टिक पेय पदार्थ अर्थात सूप का बेहतर विकल्प हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य और भारतीय उच्चायोग के अधिकारी रविवार को लंदन के इंडिया हाउस में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए।

हर मुद्दे को आतंकवाद से न जोड़ें : सलमान खुर्शीद

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने रविवार को यहां कांवड़ यात्रा मार्ग पर एक होटल कर्मचारी के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा होने के बीच कहा कि हर आपत्तिजनक घटना को आतंकवाद से नहीं जोड़ा जाना चाहिये।

खुर्शीद ने यहां संवाददाताओं से कहा, हर निंदनीय कृत्य को आतंकवाद के बराबर नहीं माना जाना चाहिए। आप किसी कृत्य की आलोचना कर सकते हैं लेकिन इससे वह आतंकवाद नहीं बन जाता। ये हमारे समाज के आंतरिक मामले हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम एक-दूसरे को ठेस न पहुंचाएं।

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद एस टी हसन ने बुधवार को कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों की 'धार्मिक पहचान' कर रहे कुछ कथित हिंदूवादी संगठनों की हरकतों की कड़ी निंदा की थी और ऐसे कृत्यों को आतंकवाद के बराबर बताया था।हसन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था,होटल कर्मचारियों और स्थानीय विक्रेताओं से उनके नाम पूछना और उनके धर्म की पहचान के लिए कपड़े उतारने के लिए मजबूर करना दरअसल पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए काम से अलग नहीं है। यह भी आतंकवाद का ही एक रूप है।

घटना के दौरान होटल कर्मचारी की पैंट जबरन उतारे जाने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर खुर्शीद ने जवाब दिया, जिसने भी ऐसा किया, वह गलत था। यह हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति के खिलाफ है। हम साथ रहते हैं। हमारी साझा राष्ट्रीय पहचान है और यह हमारी अपनी-अपनी आस्थाओं में निहित है।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों पर नामपट्टिका लगाने की मांग के बारे में खुर्शीद ने कहा,हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। इस देश में विभिन्न समुदायों और आस्थाओं के लोग रहते हैं। हम अलग-अलग धर्मों से संबंधित हो सकते हैं, लेकिन हमारे अंदर कोई विभाजन नहीं हैं। एक-दूसरे की आस्थाओं का सम्मान जरूरी है।

उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए खुर्शीद ने कहा,हमारा गठबंधन टूटा नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता समय-समय पर गठबंधन पर चर्चा करते रहते हैं।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर खुर्शीद ने संगठनात्मक ताकत और चुनावी सफलता के बीच अंतर को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हमारी जड़ें मजबूत हैं, लेकिन कभी-कभी फसल अच्छी नहीं होती। मौसम सही होना चाहिए। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि नतीजे सुनिश्चित करने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

खुर्शीद ने कहा कि वह कांग्रेस की नवनियुक्त जिला और शहर समितियों का उत्साहवर्धन करने के लिए मुजफ्फरनगर आए हैं।

दलाई लामा ने मनाया अपना 90वां जन्मदिन

धर्मशाला/भाषा। दलाई लामा मंदिर 'सुगलागखांग' के मुख्य प्रांगण में रविवार सुबह भारी बारिश के बावजूद 14वें दलाई लामा का 90वां जन्मदिन मनाने के लिए हजारों लोग एकत्र हुए। यह आयोजन ऐसे वक्त हुआ है जब पिछले कुछ दिनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दलाई लामा संस्था को समाप्त कर दिया जाएगा। उनके जन्मदिन पर विभिन्न तिब्बती बौद्ध संप्रदायों के प्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों, विभिन्न देशों के नर्तकों और गायकों तथा दुनिया भर से बौद्ध धर्मावलंबियों ने भाग लिया। देश-विदेश से आए नेताओं ने भी इस आयोजन में भाग लिया और दलाई लामा तथा वैश्विक शांति एवं धार्मिक सद्भाव के प्रति उनकी सतत प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। समारोह में विशाल केक के सामने बैठे दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि यह लोगों का प्यार है जो उन्हें सभी प्राणियों की सेवा के मार्ग पर चलते रहने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं अपनी ओर से शांतिदेव के बोधिसत्वचर्यावतार- बोधिसत्व जीवन पद्धति पर विचार करता हूं, सभी सत्वों को अपना रिश्तेदार और मित्र मानता हूं, और मैं हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार सभी की सेवा करने के बारे में सोचता हूं। इस जन्मदिन समारोह पर आप सभी बहुत खुशी के साथ यहां आए हैं। इसलिए धन्यवाद।

तिब्बती नेता ने कहा, जितने अधिक लोग होंगे, उनके हृदय में उतनी ही अधिक खुशी होगी। मैं इसलिए भी प्रेरित महसूस करता हूं क्योंकि मैं बोधिचित्त का अभ्यास करता हूं। दलाई लामा ने कहा कि लोग उनके जन्मदिन पर किसी बाध्यता के कारण नहीं आए हैं, बल्कि गहरी श्रद्धा के साथ आए हैं। उन्होंने कहा, इसलिए जब मैं अपने जीवन पर विचार करता हूं, तो पाता हूं कि मैंने अपना जीवन बिल्कुल भी बर्बाद नहीं किया है। दलाई लामा की उपाधि मिलने के बाद भी मुझमें कोई अभिमान या अहंकार नहीं है। बुद्ध के अनुयायी, भिक्षु के रूप में जनता की सेवा करना और बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करना ही मेरा मुख्य अभ्यास है। समारोह की शुरुआत स्विटजरलैंड में रहने वाले तिब्बती गायक जमयान चोडेन द्वारा दलाई लामा के लिए प्रस्तुत गीत से हुई। इसके बाद मंगोलियाई और अल्बानियाई कलाकारों के एक समूह द्वारा नृत्य प्रदर्शन किया गया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अध्यक्ष सिक्योंग पेनपा सेरिंग ने निर्वासित तिब्बती सरकार के मंत्रिमंडल, काशाग का एक बयान जारी किया और तिब्बतियों और तिब्बत के मित्रों द्वारा वैश्विक स्तर पर मनाए जाने वाले 'करुणा वर्ष' की घोषणा की।

बयान में कहा गया है कि दलाई लामा की चार प्रमुख प्रतिबद्धताएं - सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना, धार्मिक सद्भाव, तिब्बती संस्कृति और पर्यावरण का संरक्षण तथा प्राचीन भारतीय ज्ञान का पुनरुद्धार - विश्व के मुद्दों के लिए अद्वितीय समाधान प्रस्तुत करती हैं। बयान में कहा गया है, आज की दुनिया में, जो हिंसक संघर्ष, हथियारों की दौड़, व्यापार युद्ध, सामाजिक विखंडन, नैतिक पतन और जलवायु परिवर्तन सहित परस्पर जुड़े संकटों का सामना कर रही है, ये प्रतिबद्धताएं अद्वितीय और निर्विवाद समाधान प्रस्तुत करती हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और राजीव रंजन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, सिक्किम के मंत्री सोनम लामा और हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेर ने प्रस्तुतियों के बाद सभा को संबोधित किया। वैश्विक नेताओं ने दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई दी और तिब्बती लोगों के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने वीडियो संदेशों के माध्यम से जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजीं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इस अवसर पर एक संदेश भेजा। रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका परम पावन दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देता है।

मेरी छवि खराब करने के लिये 'वायरल' किया जा रहा पुराना वीडियो : हेमा मालिनी

मथुरा (उप्र)/भाषा। प्रस्तावित 'बांके बिहारी कॉरिडोर' के बारे में अपनी कथित टिप्पणी पर स्थानीय निवासियों और पुजारियों द्वारा नाराजगी जताये जाने के एक दिन बाद मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने रविवार को कहा कि उनकी छवि खराब करने के लिए जानबूझकर एक पुराना वीडियो 'वायरल' किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में हेमा मालिनी को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम कॉरिडोर बनाएंगे और जो इसका विरोध कर रहे हैं, हमें उन्हें कहीं और जाने के लिए कहना पड़ सकता है। इस कथित बयान पर यहां समुदाय के विभिन्न वर्गों ने नाराजगी जताई है। हेमा मालिनी ने इस 'वायरल' वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रविवार को टेलीफोन पर बातचीत में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह वीडियो 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले का है। लोगों में मतभेद पैदा करने के लिए जानबूझकर गलत सूचना फैलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही बनाया जाएगा और सभी पक्षों के हितों की रक्षा की जाएगी। भाजपा सांसद ने कहा, मथुरा मेरी कर्मभूमि है। मैं इस शहर को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही हूं। हमने जो भी परियोजनाएं जमीन पर उतारी हैं वे स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए ही बनायी गयी थीं। उन्होंने कहा, मैं भगवान कृष्ण की सेवा में यहां आई हूं और बृजवासी मेरे परिवार का हिस्सा हैं। प्रस्तावित 'बांके बिहारी कॉरिडोर' का उद्देश्य भीड़ के दबाव को कम करना और भक्तों के लिए सुविधाओं में सुधार करना है। हालांकि, गोस्वामी समुदाय और दुकानदारों समेत स्थानीय लोगों को विस्थापन, विरासत के नुकसान और वृंदावन के पारंपरिक चरित्र में बदलाव का डर है। बांके बिहारी मंदिर के पुजारी ज्ञानेंद्र किशोर गोस्वामी ने कहा, भगवान कृष्ण के पास लोगों को सबक देने का अपना तरीका है। उन्होंने भगवान कृष्ण द्वारा देवराज इंद्र के अभिमान को कुचलने की कहानी का हवाला देते हुए कहा, हेमा जी को हमें बृजभूमि छोड़ने के लिए कहते समय यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। शनिवार को एक अन्य पुजारी रसिक बिहारी गोस्वामी ने सांसद हेमा मालिनी की कथित टिप्पणी पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, वह 'बांके बिहारी कॉरिडोर' बनाने की योजना से प्रभावित लोगों से बात करने के लिए कभी नहीं आईं, लेकिन इतनी अहंकारपूर्ण तरीके से हमें जाने के लिए कह रही हैं।

स्वागत

रियो डी जेनेरियो में रविवार को ब्राजील में होटल में पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय समुदाय द्वारा स्वागत किया गया।

संबोधन

बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री रविवार को बिहार के पटना में सनातन महाकुंभ को संबोधित करते हुए।

'अल्लाह के बंदे' से 'राम धुन' तक, कैलाश खेर ने बिखेरा सुरों का जादू

मुंबई/एजेन्सी

संगीत की दुनिया में अपनी अनूठी आवाज से जादू बिखेरने वाले पद्मश्री कैलाश खेर का 7 जुलाई को 52वां जन्मदिन है। 7 जुलाई, 1973 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में जन्मे कैलाश खेर की जिंदगी किसी प्रेरक कहानी से कम नहीं। गरीबी, असफलताओं और विवादों से जूझते हुए उन्होंने अपनी खूबसूरत आवाज से न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में खास पहचान बनाई। लेकिन, इस शोहरत की राह आसान नहीं थी। कैलाश खेर का बचपन मेरठ की गलियों में गुजरा, जहां संगीत उनके लिए जीवन का आधार बन गया। उनके पिता पंडित मीजान खेर एक लोक गायक थे, जिनसे कैलाश को संगीत की प्रारंभिक शिक्षा मिली। शास्त्रीय संगीत के दिग्गजों जैसे पंडित कुमार गंधर्व, भीमसेन जोशी, हृदयनाथ मंगेशकर और सूफी बादशाह नुसरत फतेह अली खान से प्रेरित कैलाश ने संगीत को अपनी साधना बनाया। लेकिन, मुंबई की मायानगरी में कदम रखने से पहले उनकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आए, जिन्होंने उन्हें तोड़ने की कोशिश की।

कैलाश खेर की जिंदगी का एक ऐसा किस्सा है, जिसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह जाता है। शुरुआती दिनों में वह आर्थिक तंगी और असफलताओं से जूझ रहे थे, उन्होंने हताश होकर अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला किया। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद ये हैरत में डालने वाला किस्सा सुनाया था। एक रात वह ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे पहुंचे और आत्महत्या करने की सोची। लेकिन, जैसा कि वह खुद बताते हैं, वहां वह बच गए, उस एक घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी। कैलाश ने इस घटना को अपनी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इस घटना ने उन्हें जिंदगी में एक बड़ा सबक दे दिया।

साल 2003 में फिल्म 'अंदाज' के गाने 'रब्बा इश्क ना होवे' से कैलाश ने बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन असली पहचान 'अल्लाह के बंदे' से मिली। उनकी आवाज में एक जादुई कशिश है, जो श्रोताओं को सूफी और भक्ति के साथ ही मेलोडी रंग में डुबो देती है।

फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेत्री अमृता सिंह के लिए बहुत बड़ा दिन है, क्योंकि शुक्रवार के दिन एक तरफ उनकी बेटी 'सारा अली खान' की फिल्म मेट्रो... इन दिनो रिलीज हुई है, तो वहीं दूसरी तरफ इब्राहिम की फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सरजमीन' का ट्रेलर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज मम्मी का दिन है! क्योंकि आज ही के दिन मेरे भाई की फिल्म का ट्रेलर और मेरी फिल्म रिलीज हुई है... और अगर मैं खुद कहूं तो, दोनों ही... अब थिएटर जाओ! और 25 जुलाई के लिए अपना कैलेंडर मार्क कर लो! सरजमीन में पृथ्वीराज सुकुमारन को विजय मेनन के रूप में दिखाया गया है, एक ऐसा व्यक्ति जो पिता और सैनिक के रूप में अपने कर्तव्य के बीच फंसा हुआ है। वहीं, काजोल फिल्म में मां की भूमिका अदा कर रहीं हैं, जो अपने परिवार को एक साथ रखने की कोशिश करती रहती हैं, और इब्राहिम को हरमन के रूप में देखा जाएगा। इस मोस्ट अवेटेड ड्रामा का हिस्सा बनने के अपने उत्साह को साझा करते हुए, इब्राहिम ने कहा, सरज़मीन मेरे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। इसने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, न केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी। मेरा किरदार प्यार, वफादारी और सच्चाई के बीच फंसा हुआ है, और उस भावनात्मक स्पेक्ट्रम को नेविगेट करना सबसे तेजी से सीखने वाला अनुभव था।

काजोल और पृथ्वीराज के साथ स्क्रीन साझा करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काजोल मैम और पृथ्वीराज सर को एक्शन में देखना एक खजाना था, वे अपनी कला में इतने सहज और स्वाभाविक हैं और जिसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मैंने सरजमीन में अपना दिल और आत्मा लगा दी है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म का आनंद लेंगे। सरजमीन जैसी कहानियों को हर जगह, हर किसी को देखने और महसूस करने की आवश्यकता है। निर्देशक कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित सरजमीन 25 जुलाई को जियोसिनेमा पर रिलीज होने की उम्मीद है।

एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण : शुभांगी अत्रे

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है।

उन्होंने कहा, ''मुझे 'संघर्ष' शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है।'' लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, ''मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं।''

शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, ''दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तविकता बनी रहे।'' शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा, ''टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो, शुभांगी ने एक्टिंग की शुरुआत एकता कपूर के शो 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। वह 'कस्तूरी', 'दो हंसों का जोड़ा', और 'भाबीजी घर पर हैं' जैसे शो में अपने किरदार के लिए जानी जाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 07-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

रामचरित मानस पाठ की पूर्णाहूति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुझल स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर के सभागार में रामचरितमानस समिति के तत्वावधान में आयोजित अखंड रामचरितमानस पाठ संपन्न हुआ। शनिवार को दोपहर में 108 सुन्दरकांड पाठ के वाचन के पश्चात् अखंड रामायण पाठ वाचन शुरु हुआ जो दूसरे दिन रविवार को दोपहर 2 बजे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर चेन्नई के अलग-अलग इलाकों के भजन मंडलियों को आमंत्रित किया गया था साथ ही इस आयोजन को चार चांद लगाने हेतु बेंगलूरु से भी भजन मंडली को विशेष तौर पर बुलाया गया था। जिसने रामायण पाठ के चौपाई धार्मिक गीतों समेत कई फ़िल्मी गीतों एवं गजल पर आधारित गाकर श्रोताओं को मंत्र मुक्त किया एवं श्रद्धालुओं ने तालियों से भजन मंडलियों को हौसला अफजाई की। ज्ञात हो की 24 घंटे तक सकथिवेल नगर की फिजाओं में रामायण पाठ के गुंज से वातावरण धार्मिक बना हुआ था।

नेत्र शिविर में 80 लोगों ने कराई नेत्रों की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पीपाड़ शहर एसोसिएशन चेन्नई द्वारा शुक्रवार को मांगीलाल कटारिया की पुण्य स्मृति में एक निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन श्री एसएस जैन संघ, नंगनल्लूर में किया गया।

इस सेवा शिविर में कुल 80 मरीजों की आंखों की निशुल्क जांच की गई, जिनमें से 50 लाभार्थियों को चश्मे निशुल्क वितरित किए गए तथा 10 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन भी पूर्णतः निशुल्क कराए गए।

यह पुनीत सेवा कार्य एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतमचंद कटारिया परिजन के सौजन्य से संपन्न हुआ। इस आयोजन में गौतमचंद समदड़िया, नरेंद्र भंडारी, गौतमचंद मुथा, अशोक कांकरिया, प्रकाश भंडारी, अशोक चौधरी, नवरत्न बाफना, राजेश मेहता, धर्मचंद कांकरिया, विनीत घीया, ललित कवाड़ सहित अनेक गणमान्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई एवं इस सेवा यज्ञ को सफल बनाने में योगदान दिया।

एनसीबी अधीक्षक ने ड्रग जागरूकता अभियान का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंदुस्तान इंटरनेशनल स्कूल ने छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करने के लिए एक नशा विरोधी जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस सत्र का नेतृत्व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), चेन्नई जोनल यूनिट के अधीक्षक दीपक कौशिक ने किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों में मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों और सूचित, स्वस्थ जीवन विकल्प बनाने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। कौशिक ने इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष अनुभव साझा करते हुए कहा कि भारत भर में मादक पदार्थों के खिलाफ़ अभियान चलाने के एक दशक से ज़्यादा के अनुभव के साथ- जिसमें समुद्री नशीले पदार्थों की बड़ी जब्ती भी शामिल है। उनके संबोधन में युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की बढ़ती चिंताजनक स्थिति, इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिणाम और भारत में मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए कानूनी ढाँचे पर ध्यान केंद्रित किया गया। कौशिक ने कहा, युवा लोग हमारे देश का भविष्य हैं। यह महत्वपूर्ण है कि वे जीवन में कम उम्र में ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों को समझें, ताकि वे सही विकल्प चुन सकें और एक स्वस्थ, नशा मुक्त भारत बनाने में मदद कर सकें।

जीवन को बांसुरी सा मीठा बनाएं : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डॉ. समकितमुनिजी म. सा. ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि श्रीकृष्ण महाराज को बांसुरी बहुत प्रिय थी क्योंकि बांसुरी तभी बोलती है ज़ब हम बजाते हैं। ज़ब भी बोलती है मीठा बोलती है, इसलिए भगवान कृष्ण को भी प्यारी लगती है अपने साथ रखते है। भगवान को हम अच्छे लगे भगवान हमें अपने साथ रखें हमारा ख्याल रखें इस हेतु बांसुरी के गुण जीवन में आने आवश्यक होते है। इसका फायदा यह होगा की रिश्तों में मिठास बनी रहेगी जीवन मधुवन हो जायेगा आनंद की बरसात होगी।

लोगस्स अनुष्ठान तथा मांगलिक 9 जुलाई को होगी। तीन दिवसीय मौन तप साधना के बाद समकित गुरु जी अपने भक्तों को आशीर्वाद के रूप में मंगलपाठ फरमाएंगे जिसको लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह है यह जानकारी चातुर्मास समिति के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा ने दी। 1008 तेले तपस्या का कुम्भ 9 जुलाई से हो रहा है। कार्याध्यक्ष मीठालाल पगारिया ने बताया की तेले तपस्या को लेकर चेन्नई में जबरदस्त उत्साह है।

समिति के वाइस चेयरमैन महावीर बोकड़िया ने बताया की चातुर्मास प्रवचन 9 जुलाई से शुरु होने वाले है जिसका लाभ सभी को उठाना चाहिए। यह अवसर दुबारा नहीं आएगा। मंत्री विनय पावेचा ने आगामी कार्यक्रम की व्यवस्थित रुपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

महापुरुषों की सादगी को अपने जीवन में उतारें : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के केएलपी जैन स्थानक में राष्ट्र संत कमल मुनिजी कमलेश ने संबोधित करते हुए कहा कि दूल्हे और संत के परिधान में जितना अंतर होता है। उतना ही अंतर धर्मस्थल और संसारी के भवन में होना चाहिए। धर्मस्थल में महापुरुषों के त्याग साधना संयम का साक्षात्कार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल को भौतिकवाद की परिधि में लाकर खड़ा कर देंगे तो, उसका मूल स्वरूप समाप्त हो जाएगा जनता भ्रमित और गुमराह हो जाएगी। मुनि कमलेश ने बताया कि मैं नेपाल भगवान बुद्ध की स्थली लुंबिनी गया। वह आज भी वह खंडहर के रूप में है सरकार और श्रद्धालु उसको सोने चांदी के रूपए बनाने को तैयार है परंतु ट्रस्ट मना कर दिया। विश्व का कोना-कोना उस स्थल की सादगी को देखने के लिए उमड़ रहा है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि महात्मा गांधी के आश्रम में आज उनकी कुटिया कच्चा आंगन और छत पर कबेलू लगे हुए है। मैंने कहा इसका परिवर्तन क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा इसे देखकर जनता भावों से परिपूर्ण होते हैं। उन्हें प्रेरणा मिलती है कि विश्व का महापुरुष किस रूप में रहता हमें भी ऐसा रहना है।

संतश्री ने कहा कि धर्मस्थल उपासना के साथ-साथ महापुरुषों के सिद्धांतों को विश्व के कोने-कोने में पहुंचने के लिए प्रचार केंद्र बने आस्था का केंद्र बने भक्ति का केंद्र बने। संघ की वरिष्ठ कार्यकर्ता दिलीप जैन अभिनंदन काकरिया अजीत मुनोत संजय पोरवाल उदयपुर सेवा का लाभ लिया

जैन एकता की मिसाल बना गुड़ियात्तम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तमिलनाडु की गुड़ियात्तम में एक ही मंच पर एक साथ दिगंबर श्वेतांबर संप्रदाय के साधु एवं हिंदू परंपरा के अनेक को साधु विराजित थे। जो सभी जैन एकता की मिसाल हैं।

इस अवसर पर दिगंबर जैन आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी, महामुनिराज एवं जगद्गुरु कर्मयोगी शशि श्री चारु कीर्ति भट्टारक महास्वामी जी के शिष्य विचार पट्ट भट्टारक श्री प्रमेय सागर स्वामी जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि कुछ संदेश बोलकर कुछ संदेश लिखकर दिए जाते हैं लेकिन कुछ संदेश दिखा कर दिए जाने चाहिए। जब दो अलग-अलग संप्रदाय के साधु प्रेम और वात्सलय से मिलते हैं तो समाज में एकता का संदेश जीवंत हो जाता है। चातुर्मास के दौरान साधु नगर में 4 महीने आपको सद्ज्ञान देने आते हैं कि हमें जीवन कैसे जीना है धर्म के साथ कैसे हमें आगे बढ़ाना है। हमें किस तरह से चतुराई के साथ सफलता को प्राप्त करना है। पुण्य को प्राप्त करना है। इसलिए तो साल भर के इन चार महीना को चतुर मास कहा है। साधु आपके द्वार पर भगवान का संदेश लेकर आते हैं यह आपके ऊपर है कि आप कितना ग्रहण करते हमारे पंथ अलग-अलग हो सकते हैं, हमारी आमनाएं भले अलग हो लेकिन हमारे ईश्वर, ईश्वर का नाम और णमोकार मंत्र वह तो एक ही है जब हम सब जैन बनकर आगे बढ़ेंगे तो पूरे देश में नहीं पूरी दुनिया में जैन समाज का वैभव जयवंत होगा। जैन समाज की ताकत पूरी दुनिया देख सकेगी।

गुड़ियात्तम नगर में श्वेतांबर तेरापंथ संप्रदाय के आचार्य महाश्रमण के शिष्य रश्मि कुमार मुनि एवं श्री प्रियांशु कुमार मुनि म. सा. के चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश के अवसर पर श्री क्षेत्र कनक गिरी के स्वस्ति श्री भुवन कीर्ति भट्टारक स्वामी जी एवं भट्टारक चिंतामणि धवल कीर्ति महा स्वामी जी श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी एवं ओंकार आश्रम बेंगलूरु के स्वामी जी सहित विचार पट्ट भट्टारक श्री प्रमेयसागर स्वामी जी ने तथा अन्य साधु संतों ने एवं तेरापंथ, मूर्ति पूजक, ओसवाल एवं अन्य पंथ ने श्रद्धालुओं ने मुनिद्वय की आगवानी की।

मुनि रश्मि कुमार जी ने कहा कि मेरा यह चातुर्मास युवाओं के लिए है। मैं युवाओं को जैन धर्म से जोड़ना चाहता हूं ताकि यह आगे बढ़कर इसे और आगे तक ले जा सके। बच्चों और युवाओं को संस्कार देने के लिए हम मंत्र दीक्षा देंगे ताकि वह अपने संस्कार और अपने धर्म दोनों से जुड़े। नैतिक शिक्षा के साथ-साथ जैन धर्म के मौलिक संस्कारों को भी सीखना आवश्यक है। इस चातुर्मास में मैं अपने साथी मुनि प्रियांशु कुमार जो कि स्वयं एक युवा है उन्हें देखकर युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। कार्यक्रम में विधायक अमलु भी उपस्थित थे। सभी संतों का अभिनंदन किया गया।

'सम्मेलन' ही संगठन व एकता का अनूठा मंच है : पवनकुमार गोयन्का

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन कोलकाता की प्रांतीय शाखा तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एक अनूठा कार्यक्रम मारवाड़ी एकता चर्चा माहेश्वरी भवन के प्रांगण में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में मूल संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवनकुमार गोयन्का मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलन व हंसराज राजपुरोहित द्वारा प्रार्थना के उपरांत प्रांतीय शाखा अध्यक्ष अशोक केडिया द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। आज के परिवेश में मारवाड़ी बंधुओं को एकजुट होकर एक आवाज़ उठाने पर विशेष ज़ोर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान शाल ओढाकर व साफ़ा पहनाकर पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, कार्यक्रम संयोजक हंसराज राजपुरोहित व जितेन्द्र लुहार द्वारा किया गया। साथ ही रजत के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल जैन ने तिरुमला तिरुपति बालाजी पर प्रकाशित पुस्तिका व शाखा के पूर्व अध्यक्ष अशोककुमार मूँधड़ा ने माहेश्वरी समाज की सदस्यता व व्यापार निर्देशिका भेंट की।

महासचिव मोहनलाल बजाज ने सम्मेलन की स्थापना व मूल उद्देश्यों की जानकारी दी। साथ ही प्रांतीय शाखा की गतिविधियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर क़रीब 40 से भी ज़्यादा विभिन्न समाजों के 90 पदाधिकारी व उपस्थित प्रतिनिधियों तथा कार्यकारिणी समिति सदस्यों का राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया। संजीव अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से परिचय कराया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में सम्मेलन द्वारा ही मारवाड़ी भाईयों का संगठन व एकता का प्रमाण सम्मेलन द्वारा ही संभव पर प्रकाश डाला। तदुपरांत कई समाज के प्रतिनिधियों ने खुले मंच में अपनी बात रखी। धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता ने किया। मंच का संचालन संयुक्त मंत्री अजय नाहर ने किया। खान-पान की व्यवस्था व मंच की साज सज्जा में अनुराग माहेश्वरी का पूर्ण सहयोग रहा। रजिस्ट्रेशन काउंटर कृष्ण कुमार नथानी व जितेन्द्र लुहार ने संभाला।

इस अनूठे कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में पूर्व महासचिव मुरारीलाल सौंथलिया, रजत के पूर्व अध्यक्ष शांतीलाल जैन, कांतिलाल संघवी, राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन से जगदीशप्रशाद शर्मा, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष अशोक लखोटिया, गौरीशंकर राठी, मालारामजी व अन्य कई बुद्धिजीवियों ने उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

आत्मरंजन का समय चातुर्मास : मुनि मोहजीतकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य महाश्रमण के शिष्य मुनि मोहजीतकुमारजी का रविवार को भिक्षु निलयम, किलपॉक में मंगलमय वेला में, मंगल चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। भिक्षु निलयम के महाश्रमणम् हाल में समायोजित स्वागत, अभिनंदन समारोह में मुनि मोहजीतकुमार ने कहा कि आज उत्साह, उमंग का प्रवेश है। श्रद्धा, भक्ति, संयम, संवर का प्रवेश है। अध्यात्म चेतना के जागरण का प्रवेश है। आज यह भिक्षु निलयम आत्मरंजन का क्षेत्र बन गया। यह परिसर बाहर से अन्तर जगत में आमोद-प्रमोद करने का परिसर बने।

मुनि ने कहा कि हम आचार्यश्री की दृष्टि, इंगित की आराधना करते हुए उनके संदेश को सम्पुष्ट कर रहे है। यह वर्ष हमारे आराध्य, तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक आचार्य भिक्षु का जन्म त्रि शताब्दी वर्ष है। हमारे मन में भिक्षु चेतना जागृत होने पर ज्ञान, दर्शन, चारित्र की जागृती होगी। मुनिश्री ने कहा कि हम तीनों संत तीनों आचार्यों की निधियां है। हमारा लक्ष्य बने कि हम स्वस्थ, मस्त रहते हुए शासन की प्रभावना करते रहे।

इससे पूर्व प्रातः मुकेश बाफणा निवास के चातुर्मासिक प्रवेश के लिए प्रेरणा रैली निकाली गई। रैली को तमिलनाडु मंत्री पी शेखर बाबु, चेन्नई मेयर प्रिया राजन, सभाध्यक्ष अशोक परमार ने जैन ध्वज दिखाकर कर प्रारम्भ की।

रैली में ज्ञानशाला की झांकियां, ज्ञानार्थी, प्रशिक्षिकाएं, कन्याएँ, महिला मंडल, तेयुप, किशोर मंडल के पश्चात मुनिश्री सूर्य की तरह दैदिप्यमान हो रहे थे। तेरापंथ सभा, टीपीएफ, अणुव्रत समिति व अन्य संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण, कार्यकर्तागण रैली में सहभागी बने।

पीजीसी द्वारा उत्कृष्टता पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पोन्नेरी जिमखाना क्लब (पीजीसी) द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में पुरुषों की भावनाओं का सम्मान एवं समाज कल्याण में उनके योगदानों को रेखांकित करने हेतु उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया जिसमें पच्चीस उत्कृष्ट व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर्काट नवाब मोहम्मद आसिफ अली,पोन्नेरी के सहायक पुलिस आयुक्त श्रीशंकर एवं विधायक दुरई चंद्रशेखर उपस्थित थे। अतिथियों ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की प्रशंसा कर उनके साहस, धैर्य एवं उनके प्रगतिशील विचारों के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया।

इस पूरे कार्यक्रम को सोनाली जैन तथा कशिश जैन द्वारा क्यूरेट किया गया।

Attn. Truck / Trailer Owners & Investors
Require Trucks / Trailors / Mini commercial vehicles on Lease / Contract basis.
Interested parties may get in touch with
Vimal Kumar Sethi - 78450 45767
Vardhman Logistics Pvt Ltd., Chennai

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.